



राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

■ मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित



डाक पंजीयन क्र. 173/15-17

5 आईपीएल 2026 : रोहित शर्मा ने मुंबई इंडियंस के लिए पूरे...

सम्पादकीय डिजिटल युग में हिन्दी: चुनौतियाँ...

सेवेस 703 अंक गिरकर 76.848 पर आया... 5

वर्ष 12 अंक 363 E-mail: dholpur@hotmail.com

फरीदाबाद, मंगलवार 14 अप्रैल 2026 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online

मूल्य 2.00 रुपये, पृष्ठ 8

## गृहस्थ नहीं, लेकिन जानता सब हूँ: पीएम मोदी

### हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को महिला आरक्षण बिल पर कहा, 'हमारे देश की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है। विधानसभाओं से लेकर संसद तक दशकों की प्रतीक्षा के अंत का समय आ गया है। इसलिए सरकार 16 से 18 अप्रैल तक संसद का स्पेशल सेशन लाई है।'

मिशान इंद्र धनुष शुरू किया। स्कूल में शौचालय की परेशानी न आयुधान योजना। इन सबका सबसे ज्यादा लाभ हमारी बहनों और बेटियों

जानता सब हूँ। 'भारत की सभी महिलाओं को एक नए युग के आगमन की बधाई भी देता हूँ। लोकतांत्रिक संरचना में महिलाओं को आरक्षण देने की जरूरत दशकों से हर कोई महसूस कर रहा है।' महिला आरक्षण बिल पर विमर्श को करीब चालीस साल बीत गए। इसमें सभी पार्टियों के और कितनी ही पीढ़ियों के प्रयास शामिल हैं। हर दल ने इस विचार को अपने अपने ढंग से आगे बढ़ाया है। '2023 में जब यह अधिनियम आया था तब भी सभी दलों ने सर्व सम्मति से इसे पास कराया था। एक सूर में यह बात भी उठी थी कि इसे हर दल में 2029 तक लागू हो जाना चाहिए।'



उन्होंने कहा, 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के जीवन का बड़ा अवसर बनने जा रहा है। संसद तक पहुंचने का रास्ता आसान बनने जा रहा है। आज महिलाओं की भूमिका और भी अहम हो गई है। हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूँ, लेकिन जानता सब हूँ। पीएम मोदी ने कहा, 'हमारी सरकार महिलाओं के लिए कई योजनाएं लेकर हाजिर है। बेटों बचाओ-बेटों पढ़ाओ, मातृत्व योजना, जन्म के बाद सुकन्या समृद्धि योजना, सही समय पर टीके लगाने के लिए

हो स्वच्छ भारत अभियान, मुफ्त सेनेटरी पैड, खेलों में सालाना 1 लाख की मदद, भविष्य में सेना में जाना चाहे तो सरकार ने सैनिक स्कूल के दरवाजे खोले। जीवन के आगे के पड़ाव में रसेई में धुएँ की परेशानी से बचाने उज्ज्वला योजना, पानी के लिए हर घर नल, 5 लाख तक मुफ्त इलाज देने वाली

को हो रहा है। 3 करोड़ से ज्यादा महिलाएं अपने घर की मालिक बनी हैं। आम तौर पर पिता और बेटा व्यापार की बात करते हैं न और मां आ जाए तो कहते हैं तुम जाओ। अब जब वो आर्थिक सशक्त हो गई हैं तो बेटा भी कहता है कि मां को बुलाइए न। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूँ, लेकिन

## सेवा ही सच्ची साधना, यही जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

### अमरकंटक से पंच परिवर्तन का संदेश, साधना और सेवा का संगम है श्री नर्मदे हर सेवा न्यास, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने न्यास के संस्थापक अध्यक्ष स्व. माधुर को दी श्रद्धांजलि, पंच परिवर्तन विचार गोष्ठी में रखे विचार, स्व. माधुर ने अंतिम सांस तक की नर्मदा माता की सेवा

(ब्यूरो गजेश शिवहोरे)

अनूपपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि एक व्यक्ति जब अपने पूरे जीवन को समाज के लिए समर्पित कर देता है, तब वह केवल व्यक्ति नहीं, एक विचार बन जाता है। स्व.भगवत शरण माधुर भी ऐसा ही एक जीवन्त विचार थे। उन्होंने अपने जीवन में यह सिद्ध कर दिया कि समाज की सेवा ही ईश्वर की सच्ची साधना है। समाज सेवा ही हर मनुष्य के जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य होना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. माधुर ने अपनी निजी सुख-सुविधाओं को त्याग कर समाज के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए जो कार्य किए, वे आज भी हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. माधुर मूलरूप से राजगढ़ जिले के निवासी थे। उनका जन्म सीका गांव में हुआ था। उन्होंने अपने जीवनकाल में क्षेत्रीय सामाजिक पिछड़ेपन को दूर करने तथा शिक्षा के प्रसार के लिए प्रकल्प स्थापित



गोशाला के लिए अनुदान प्रारंभ कराने, कथा-प्रवचन के लिए पर्यावरण हितैषी आधुनिक भवन का निर्माण करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अमरकंटक के हराभरा रहने से मध्यप्रदेश के गांव-गली-मोहल्लों में आनंद होगा। जल गंगा संवर्धन अभियान के जरिए मध्यप्रदेश सरकार और जन अभियान परिषद राज्य के सभी पुराने जल स्रोतों को पुनर्जीवन देने की चिंता कर रही है। प्रदेश में तीन माह (गुड्री पड़वा से गंगा दशहरा तक) सभी जल स्रोतों का संरक्षण और जीर्णोद्धार किया जाएगा। माँ नर्मदा का यह स्थान भी इसी से जुड़ा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने नर्मदा परिक्रमा मार्ग को विकसित करते हुए परिक्रमावासियों के लिए सभी सुविधाएं विकसित करने का संकल्प लिया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए नर्मदा नदी के किनारों पर अधिकाधिक पौध-रोपण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर विचार गोष्ठी का शुभारंभ



कर इस दिशा में विशेष प्रयास किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को 'श्री नर्मदे हर सेवा न्यास' के संस्थापक अध्यक्ष स्व. भगवत शरण माधुर की जयंती पर न्यास के मुख्यालय अमरकंटक में आयोजित विचार गोष्ठी सह श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाजसेवी स्व. माधुर की जयंती पर उन्हें विन्नम श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि महादेव की कृपा से सिद्ध क्षेत्र अमरकंटक से माँ नर्मदा, सोन और जोहिला प्रकट होकर त्रिवेणी धारा प्रवाहित करती हैं। इसी स्थान से निकलकर माँ नर्मदा मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों को आशीर्वाद देती है। सोन नदी भी आगे जाकर गंगा की धारा को समृद्ध करती है। जीवनभर का पुण्य होने पर ही अमरकंटक आने का अवसर मिलता है। परमात्मा ने इस स्थान को जी भरकर आशीर्वाद दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. माधुर ने अपनी अंतिम सांस तक भारत माता और नर्मदा माता की सेवा कर उनका आशीर्ष पाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरकंटक में संचालित

किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्या पूजन कर उन्हें नमन किया साथ ही मंच पर उपस्थित संतो-महंतों एवं समाजसेवियों का सम्मान भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'पंच परिवर्तन' विषय पर हुई विचार गोष्ठी में कहा कि स्व. माधुर ने समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय होकर अमरकंटक में काम किया। मुख्यमंत्री ने समाजसेवी और नर्मदा समग्र के स्व. अनिल माधव देवे का भी स्मरण किया। ... शेष पृष्ठ 5 पर

## आज शाम 4 बजे बिहार के नए सीएम का ऐलान, प्रधानमंत्री होंगे शामिल

एनडीए की बैठक में फाइनल होगा नाम, 15 अप्रैल को शपथ समारोह

पटना। बिहार में नई सरकार के गठन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर राज्यपाल के सचिव गोपाल मीणा ने सोमवार को पटना डीएम, एसपी समेत सीनियर अधिकारियों की बैठक बुलाई। लोकभवन में चली इस बैठक में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को लेकर ब्रीफिंग दी गई। इससे पहले राज्यपाल के सचिव

गोपाल मीणा डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के आवास पहुंचे थे। दोनों के बीच करीब 30 मिनट मुलाकात हुई। जानकारी के मुताबिक, सीएम नीतीश कल 3.30 बजे राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। कल 2 बजे प्रदेश कार्यालय के अटल सभागार में बीजेपी विधायक दल की बैठक होगी। वहीं 3 बजे जदयू विधायक दल की बैठक होगी। इसके बाद एनडीए विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें नए सीएम के नाम पर मुहर लगेगी। शाम 4 बजे शिवराज सिंह चौहान नए सीएम के

नाम का ऐलान करेंगे। 15 अप्रैल को सुबह 11 बजे शपथ समारोह का आयोजन किया जाएगा। 14 अप्रैल का दिन भी बेहद महत्वपूर्ण रहेगा। इस दिन सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में कैबिनेट की अंतिम बैठक होगी। बैठक के बाद नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे। इसी के साथ मौजूदा सरकार का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। इसके तुरंत बाद एनडीए विधायक दल की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें नए नेता का चुनाव

किया जाएगा। भाजपा की ओर से इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। उनकी मौजूदगी में विधायक दल की बैठक में नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लगेगी। कुल मिलाकर बिहार में सत्ता परिवर्तन की तस्वीर अब पूरी तरह साफ होने वाली है। अगले दो दिनों में न सिर्फ मुख्यमंत्री का नाम सामने आएगा, बल्कि नई सरकार का पूरा ढांचा भी तय हो जाएगा, जिस पर पूरे राज्य की नजरें टिकी हुई हैं।

## विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह ने 6.40 करोड़ की लागत से 9 किमी सड़कों का भूमिपूजन किया

### -पंचमपुरा-मलपुरा व जौहा-पीपरीपुरा मार्ग निर्माण से ग्रामीणों को मिलेगा बेहतर संपर्क -विभिन्न पंचायतों में 33 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन



-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- मुर्ना। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने सोमवार को दिमनी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा 9 किलोमीटर लंबी एवं 6 करोड़ 40 लाख रुपए की लागत से पंचमपुरा और जौहा में दो सड़कों का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही उन्होंने जनपद के माध्यम से विभिन्न पंचायतों में 33 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया। इस अवसर पर सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, जनपद अध्यक्ष सुश्री मधुरिमा तोमर, पूर्व मंत्री मुंशीलाल, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता, पूर्व विधायक सत्यप्रकाश

सखवार, महंत बालक दास सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि ग्राम पंचायत पंचमपुरा में 2 करोड़ 80 लाख रुपए की लागत से 4 किलोमीटर लंबी पंचमपुरा से मलपुरा सड़क का निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ ही ग्राम पंचायत जौहा में 3 करोड़ 60 लाख रुपए की लागत से 5 किलोमीटर लंबी जौहा से पीपरीपुरा मार्ग का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न पंचायतों में 33 अन्य निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है, जिससे क्षेत्र में आधारभूत विकास को गति मिलेगी। ... शेष पृष्ठ 5 पर



## अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ: विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर

### विस अध्यक्ष तोमर ने 164 लाख से अधिक के निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया



-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- मुर्ना। विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत लल्लू बसई में पंचायतों में कुल 164.32 लाख रुपए की लागत से विभिन्न निर्माण कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सांसद

शिवमंगल सिंह तोमर, जनपद अध्यक्ष सुश्री मधुरिमा तोमर, पूर्व मंत्री श्री मुंशीलाल, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता, संपर्क शिखापाल सिंह तोमर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। विधानसभा

अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं सरकार की प्राथमिकता में हैं। ... शेष पृष्ठ 5 पर

## नियम केवल कुछ सकारात्मक धार्मिक आचरणों की सूची नहीं, बल्कि अन्तःकरण की वह विधिसंपन्न परिष्कृति है: स्वामी श्री अवधेशानंद जी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- हरिद्वार। श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रीत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि - यमो हि नियमस्त्यागो मौनं देशश्च कालतः। आसनं मूलबन्धश्च देहसम्पन्नं च दृष्टान्तः॥102॥

दो परस्परपूरक पंख हैं। इसके उपरान्त त्याग का उल्लेख आता है। यह त्याग

का आधार है किन्तु स्वयं शब्दातीत है - वही मौन है। इसीलिए उपनिषद् के महर्षियों का मौन शून्यता का नहीं, परिपूर्णता का मौन था।

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - यह श्लोक अद्वैतवेदान्त के साधना-क्रम में एक अत्यन्त महत्वपूर्ण सूत्र के रूप में प्रतिष्ठित है। पूर्वश्लोक में भगवत्पादचार्य ने नित्याभ्यास और निदिध्यासन की अनिवार्यता का प्रतिपादन किया; अब वे उस साधना की अन्तःसंरचना का निरूपण करते हैं। आत्मसाक्षात्कार कोई आकस्मिक मानसिक अनुभव नहीं, न बुद्धि के सूक्ष्म विनोद का विषय है; वह समग्र व्यक्तित्व के शोधन, संयमन और अन्तर्मुखीकरण की माँग करता है। अतः यहाँ वे उन साधन-अंगों की ओर संकेत करते हैं, जिनसे चित्त ब्रह्मविषयक स्थिरता के योग्य बनता है।



स्वामी जी ने कहा कि - श्लोक में देश और काल का भी उल्लेख है। यहाँ देश का तात्पर्य केवल भौगोलिक स्थान नहीं; अपितु साधना के लिए अनुकूल आन्तरिक और बाह्य वातावरण है। निःशब्द, पवित्र, विक्षेपरहित, सात्त्विक वातावरण चित्त को भीतर की ओर ले जाने में सहायक होता है। किन्तु अद्वैत की सूक्ष्म दृष्टि यह भी कहती है कि अन्तः श्रेष्ठ देश वही है जहाँ मन विषयचिन्तन से हटकर आत्मा में स्थित हो। इसी प्रकार काल केवल घड़ी का समय नहीं; साधना की परिपक्वता और अन्तर्मुखी चेतना का योग्य क्षण भी है। ब्रह्मविद्या किसी विशेष काल की दासी नहीं, तथापि साधक के लिए कुछ काल-विशेष प्रातःकाल, सन्ध्या, एकान्त के क्षण, मन की निर्मल अवस्थाएँ विशेष रूप से अनुकूल होती हैं। शास्त्रसंगत अर्थ में देश और काल, दोनों साधना की अनुकूलता के प्रतीक हैं।

केवल भौतिक वस्तुओं का परित्याग नहीं है। वस्तुओं का बाह्य परित्याग सरल है, परन्तु अहंता और ममता का त्याग अत्यन्त दुष्कर। वस्तुतः अद्वैत में त्याग का गूढ़ अर्थ है कि अनात्म में आत्मबुद्धि का त्याग, उपाधियों में सत्यत्वबुद्धि का त्याग, और कर्तृत्व-भोक्तृत्वविभान का त्याग। जब तक मनुष्य देह, मन, बुद्धि, प्रतियत्, पद, सम्बन्ध, संस्मरण, वासनाओं और उपलब्धियों को 'मैं' तथा 'मेरा' मानता रहेगा, तब तक ब्रह्मविद्या केवल शान्दिक रहेगी। त्याग का तात्पर्य है अविद्या का निरन्तर पुष्ट होना ये सब आत्मविद्या के शत्रु हैं। अतः यम का अभिप्राय है उस सबका निरोधन, जो चित्त को अशान्त, चञ्चल और विषयगामी बनाता है। यह निषेध मात्र नहीं, वरन् आत्माभिमुखता की पूर्वभूमि है। स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - इसी प्रकार नियम केवल कुछ सकारात्मक धार्मिक आचरणों की सूची नहीं, बल्कि अन्तःकरण की वह विधिसंपन्न परिष्कृति है, जिसके द्वारा साधक में सात्त्विक दृढ़ता उत्पन्न होती है। यम चित्त के अपसरण को रोकता है, नियम चित्त को ऊर्ध्वमुख करता है। यम मलिनता का परित्याग है; नियम पवित्रता का प्रतिष्ठानपना एक हटता है, दूसरा स्थापित करता है। एक विक्षेप को रोकता है, दूसरा आत्मदृष्टि को पुष्ट करता है। इस प्रकार यम और नियम, निषेध और विधान के रूप में, साधना के

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - आसन का अर्थ अभिप्राय भी यहाँ केवल शारीरिक मुद्रा नहीं है। स्थिर, सुखकर, अविषिप्त आसन निःसन्देह ध्यान के लिए आवश्यक है; क्योंकि चञ्चल शरीर चञ्चल मन को और अधिक विचलित करता है। परन्तु अद्वैत के गूढ़ अर्थ में आसन वह स्थिति है जिसमें चित्त अपने अधिष्ठान में स्थित हो जाए। शरीर की स्थिरता भीतर की स्थिरता की दासी है, किन्तु उसका उद्देश्य उससे परे है। जिस प्रकार दीपक वायुरहित स्थान में स्थिर लौ के साथ प्रकाश देता है, वैसे ही आचरण साधक का शरीर मन के लिए शान्त आधार बनता है, और मन आत्मदर्शन की ओर प्रवृत्त होता है। स्वामी जी ने कहा कि - इसके साथ मूलबन्ध का उल्लेख साधना की सूक्ष्मता को और गहरा करता है। योगशास्त्र में इसका विशिष्ट देहाधिष्ठित अर्थ है, किन्तु वेदान्तिक अर्थभूमि में इसे चित्त के मूल-विक्षेपों के बन्धन के रूप में भी देखा जा सकता है। मन जहाँ-जहाँ बहिर्मुख होकर विषयों में अपनी ऊर्जा खो देता है, उन प्रवाहों का निग्रह ही वास्तविक मूलबन्ध है। जीवनशक्ति का अनियंत्रित अपक्षय रोककर उसे ऊर्ध्वगामी बनाना यही उसका आन्तरिक संकेत है। जब चेतना नीचे की आसक्तियों से ऊपर उठती है, तब साधना में गम्भीरता आती है। मूलबन्ध, इस दृष्टि से, ब्रिन्द्य-प्रवाह को ब्रह्माभिमुख करने का प्रतीक है।

## मंगोलिया की इटुगेन यूनिवर्सिटी की मेडीकल शाखा में प्रवेश के लिए आयोजित किया लॉच कार्यक्रम



**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-ग्लोबल।** दिल्ली के इंडिया हैबिटेड सेंटर, लोदी रोड में Eduglobe Consultants द्वारा मंगोलिया की Etugen University का लॉच कार्यक्रम (शुभारंभ कार्यक्रम) आयोजित किया गया। Eduglobe Consultants के डायरेक्टर व्द्योम जायसवाल हैं और यह कंपनी बच्चों को मेडिकल की पढ़ाई के लिए बाहर के देशों के मेडिकल कालिजों में भेजती है। यह लॉच कार्यक्रम एटुगेन

यूनिवर्सिटी के लिए था और व्द्योम जायसवाल भारत में इस यूनिवर्सिटी के एकल प्रतिनिधि हैं और बच्चों को इस यूनिवर्सिटी में मेडिकल पढ़ाई के लिए भेजने का इन का एकल अधिकार है। जो बच्चे मेडिकल की पढ़ाई के लिए मंगोलिया की इस यूनिवर्सिटी में जाना चाहते हैं या जो सलाहकार (consultants) बच्चों को मेडिकल की पढ़ाई के लिए बाहर के देशों के मेडिकल कालिजों में भेजना चाह रहे हों वे

व्द्योम जायसवाल से संपर्क कर सकते हैं। दिल्ली के हैबिटेड सेंटर में हुए लॉच समारोह में एटुगेन यूनिवर्सिटी की डायरेक्टर श्रीमति नासांबायार बावगाए, मंगोलिया एग्सेसी के डिप्लोमेट श्री बायासुरेन टनून ने एटुगेन यूनिवर्सिटी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने जानकारी दी की एटुगेन यूनिवर्सिटी में सभी बेहतरीन सुविधाएं हैं। एटुगोलोब कंसल्टेंट कंपनी के डायरेक्टर व्द्योम जायसवाल ने अपनी कंपनी व बच्चों को बाहर के देशों में मेडिकल की पढ़ाई के लिए भेजने की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में गाजियाबाद से सांसद अतुल गर्ग के पुत्र राघव गर्ग ने अपने विचार व्यक्त किए। मंच पर आसीन प्रदीप जायसवाल, शोभित जायसवाल व पुष्पेंद्र भाटिया ने अपने विचार व्यक्त किए। अंत में कार्यक्रम म देश के विभिन्न भागों से आए करीब 70 कंसल्टेंट को प्रमाण पत्र दिए गए।

ने अपनी कंपनी व बच्चों को बाहर के देशों में मेडिकल की पढ़ाई के लिए भेजने की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में गाजियाबाद से सांसद अतुल गर्ग के पुत्र राघव गर्ग ने अपने विचार व्यक्त किए। मंच पर आसीन प्रदीप जायसवाल, शोभित जायसवाल व पुष्पेंद्र भाटिया ने अपने विचार व्यक्त किए। अंत में कार्यक्रम म देश के विभिन्न भागों से आए करीब 70 कंसल्टेंट को प्रमाण पत्र दिए गए।

## जीवाजी क्लब वूमंस क्रिकेट लीग 2.0: धुरंधर दिवाज की टीम बनी चैपियन



**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-ग्लोबल।** जीवाजी क्लब वूमंस क्रिकेट लीग 2.0 का भव्य आयोजन जीवाजी क्लब के क्रिकेट टर्फ ग्राउंड पर हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव (आईएसएस) सुश्री विदिता डगर (आईपीएस) ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर वूमंस क्रिकेट लीग का शुभारम्भ किया। जीवाजी क्लब के अध्यक्ष राजेंद्र सेठ, सचिव संजय वर्मा, वाइस प्रेसिडेंट अमित गुप्ता, ट्रेजरर संजय नीखरा, स्पॉट सेक्रेटरी रमन ज्ञान ने अतिथियों का स्वागत

किया। वूमंस क्रिकेट लीग 2.0 में चार टीमों ने भाग लिया। प्रारंभ के मैच में धुरंधर दिवाज की टीम ने जीवाजीयन जगुआर को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया, वहीं स्काई वॉरियर टीम को सनराइजर्स टीम ने पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकामला टीम धुरंधर और सनराइजर्स के बीच खेला गया जिसमें टीम धुरंधर ने सनराइजर्स को हराकर ट्राफी जीत ली, विजेता टीम की कप्तान स्वाती शिवहरे थीं।

प्लेयर्स ऑफ टूर्नामेंट का खिताब शिल्पी राठी को, बेस्ट बैट्समैन का खिताब कीर्ति बंसल को, वहीं बेस्ट बॉलर का खिताब नीतिका मंगल को तो बेस्ट फील्डर का खिताब तनुजा सप्रा को मिला। विजेताओं को पुरस्कार स्पेशल जज ऋतुवती सिंह एवं श्रीमती स्वाति सिंह प्रिंसिपल प्रेस्टीज कॉलेज ने दिए और खिलाड़ियों का उद्साहवर्धन किया। जीवाजी क्लब के सचिव संजय वर्मा ने क्लब की खेल गतिविधियों की जानकारी साझा की। आभार प्रदर्शन के जीवाजी क्लब के अध्यक्ष राजेंद्र सेठ ने किया।

आज के समारोह में वूमंस क्रिकेट लीग 2.0 के कॉइनेटर रेणु सेठी, रुचि गोयल, गगन भल्ला, दुर्गेश चौरसिया, विवेक सेठी, स्पॉट सेक्रेटरी रमन ज्ञान, पूर्व अध्यक्ष संग्राम कदम, पूर्व सचिव डॉ. नीरज कोल, कार्यकारिणी सदस्य अनुराग शिवहरे, मधुर मित्तल, अमर सिंह राठौड़, राजीव गुप्ता, दुर्गेश चौरसिया, जितेंद्र गुप्ता, आशीष दुबे, अतुल जैन, पारस जैन, जय खांडे, अनुराग शर्मा सहित सैकड़ों खिलाड़ी, जीवाजी क्लब के युवा एवं वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे।

## पाँच दिवसीय प्रतियोगिता का समापन हुआ



**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना/जोरा।** सांदीपनि विद्यालय जोरा में बाबा साहेब आंबेडकरजी की जयंती के अवसर पर 05 दिवसीय कार्यक्रम के समापन अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कारों का भी वितरण किया गया। इसमें जिन छात्रों द्वारा इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया गया। इन बच्चों द्वारा रंगोली बनाई गई विभिन्न प्रकार के चित्र बनाए गए वाद-विवाद तथा भाषण प्रतियोगिता में बच्चों ने भाग लिया। जिसके लिए छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। बीआरसी राजीव सिंह जादौन द्वारा बच्चों को बताया गया कि इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए तथा सभी बच्चों को इसमें सहभागिता करनी चाहिए जिससे महापुरुषों के बारे में जानकारी भी प्राप्त होती है और खेल-खेल में प्रतियोगिता होने पर बच्चे आनंद का अनुभव करते हैं। इसके साथ ही जनपद पंचायत जोरा के द्वारा

अपने विभिन्न हितग्राहियों को भी विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान करते हुए प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसमें मुख्य रूप से वृद्धावस्था पेंशन, विभिन्न प्रकार की पेंशन तथा अन्य योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की गई तथा अनुरोध किया गया शासन द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ उठया जाए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुलदीप श्रीवास्तव द्वारा सभी लोगों से विशेष कर महिलाओं से इस संबंध में योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की गई। नगर पालिका जोरा द्वारा भी इस अवसर पर अपनी योजनाओं की जानकारी दी गई और हितग्राहियों को विभिन्न प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर पंचायत के उपाध्यक्ष राजेश राजपूत, संस्था के प्राचार्य बैजनाथ त्यागी, संकुल सह समन्वयक प्रमोद शर्मा, जनपद पंचायत के अधिकारी कर्मचारी नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी और शिक्षा विभाग के सदस्य संस्था के सभी शिक्षक और बच्चे उपस्थित रहे।

## शपथ ग्रहण समारोह अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद का 'संकल्प सिद्धि समारोह' भव्यता के साथ सम्पन्न



**सोनल जैन अध्यक्ष, संगीता पांड्या सचिव, ममता जैन बनीं कोषाध्यक्ष**

**महिलाओं के स्वरोजगार, विकित्सा, शिक्षा के क्षेत्र में करेंगे कुछ अलाभ कार्य**

**वोकल फॉर लोकल' के तहत स्वदेशी हस्त निर्मित सामान को देंगे बढ़ावा: सोनल जैन**

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-ग्लोबल।** अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद द्वारा 'संकल्प सिद्धि समारोह' का आयोजन रविवार, 12 अप्रैल को महावीर भवन, कम्पू में अत्यंत हार्दिकता से भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद संस्था राय उपस्थित रहीं। उन्होंने परिषद द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं। विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति समारोह में परिषद की प्रांतीय एवं राष्ट्रीय स्तर की वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज

कराई। इस अवसर पर अध्यक्ष सोनल जैन, सचिव संगीता पांड्या, कोषाध्यक्ष ममता जैन को प्रांतीय अध्यक्ष माधवी शाह ने नई टीम को शपथ दिलाई। वहीं राष्ट्रकारिणी अध्यक्ष आदर्श दीवान द्वारा संभाग अध्यक्ष को शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में मधु बड़जात्या (प्रांतीय सचिव), बीना गंगवाल (प्रांतीय गतिविधि सचिव), साधना जैन (प्रांतीय कोषाध्यक्ष), विनीता पाटोदी (संभाग अध्यक्ष), अंजू गंगवाल एवं अंगुरी जैन (प्रांतीय उपाध्यक्ष) सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहीं। एकजुटता और सेवा का संकल्प समारोह में स्थानीय दिगंबर जैन मंदिर के पदाधिकारी, परिषद की पूर्व अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में महिला सदस्य उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का

सफल संचालन डॉ विनीता गोधा एवं डॉ मनोरमा पांड्या द्वारा किया गया। आयोजन में रेनु खड्गल, नीलम जैन, प्रीति गोधा, श्वेता टॉप्या, आयुष्या जैन, एकता बाकलीवाल, प्रतिभा अजमेरा एवं डॉली गंगवाल का विशेष योगदान रहा।

**स्वदेशी और कलात्मकता का अद्भुत संगम**

समारोह की विशेषता इसकी स्वदेशी थीम रही। 'वोकल फॉर लोकल' के संदेश को अपनाते हुए सभी सदस्यों ने हथकरघा से बने वस्त्र धारण किए। अतिथियों को स्मृति चिह्न के रूप में बांस से निर्मित उत्पाद एवं क्रोशिया से बनी हस्तशिल्प कलाकृतियां भेंट की गईं। हस्तनिर्मित वस्तुओं ने कार्यक्रम को एक अलग पहचान दी और स्थानीय कला व कारीगरों को बढ़ावा देने का सशक्त संदेश दिया। उपस्थित अतिथियों ने परिषद को इस रचनात्मक पहल की सराहना की।

**अन्य गणमत्याजनों की उपस्थिति**

समारोह में डॉ. वीरेंद्र गंगवाल, अजोत वरैया, प्रशांत गंगवाल, निर्मल पाटनी, शरद गंगवाल, बालचंद्र जी, सुमतिचंद्र जी, शैलेंद्र जैन, पंकज खड्गल, राजेंद्र जैन (एडवोकेट), मुकेश पहाड़िया सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने समाज सेवा, संगठन की मजबूती एवं संस्कारों के संरक्षण के लिए एकजुट होकर संकल्प लिया।

## रघु ठाकुर आज मुरैना आयेगे

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना।** सुप्रसिद्ध सोशलिस्ट चिंतक एवं राजनेता रघु ठाकुर 14 अप्रैल को मुरैना में रहेंगे। महात्मा गांधी सेवाश्रम जोय में श्री ठाकुर पहला डॉ एस एन सुब्बाराव स्मृति व्याख्यान देंगे। व्याख्यान का विषय डा. भीमराव आंबेडकर और महात्मा गांधी के वैचारिक संरक्षण पर केन्द्रित है। चौदह अप्रैल बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती का दिन है। इसी दिन चौवन साल पहले सैकड़ों बागियों ने महात्मा गांधी के चित्र के सामने आत्मसमर्पण कर शांतिपूर्ण जीवन का व्रत लिया था। रघु ठाकुर को व्याख्यान के लिए निमंत्रण लगभग दो महीने पहले एकता परिषद के संस्थापक राजगोपाल पी.वी. और महात्मा गांधी सेवा आश्रम के सचिव स्वर्गीय डॉ रमेशिंह परमार ने दिया था। श्री ठाकुर 13 अप्रैल को शाम शताब्दी एक्सप्रेस से मुरैना पहुंचे हैं। स्थानीय विश्राम गृह में वे सुबह दस बजे तक मुरैना के साधियों से मिलेंगे फिर जोरा के गांधी आश्रम पहुंचेंगे। कार्यक्रम के बाद श्री ठाकुर ग्वालियर रवाना होंगे और 15 अप्रैल को ग्वालियर में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। उक्त जानकारी जयन्त सिंह तोमर ने दी।



## पेंशनरों को करना पड़ रहा है आर्थिक परेशानी का सामना

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना/जोरा।** मध्य प्रदेश शासन की मनमानी एवं हठधर्मिता के चलते पेंशनरों के परिवारजन विधवा एवं आश्रित बच्चों बेटियों परेशानियां झेल रहे हैं। ऐसा कहना है वरिष्ठ पेंशनर इंजीनियर आर.के. पाराशर का। प्रेस को दिए अपने लिखित वक्तव्य में पाराशर का कहना है कि मध्य प्रदेश में सरकार हवाई जहाज खरीद रही है, लगभग 1 लाख से अधिक फैमिली पेंशनर है। उनके आश्रित बच्चों विधवा बेटियां बच्चे भी हैं, जो अपने संवैधानिक अधिकारों से वंचित कर दी गई हैं। मध्य प्रदेश शासन उनको छवें वेतनमान की पुनरीक्षित पेंशन जो कि 01 जनवरी 2006 से 31 अगस्त 2008 तक 32 माह की तथा सातवें वेतनमान की पुनरीक्षित पेंशन जो कि 01 जनवरी 2016 से 31 मार्च 2018 तक 27

माह का बकाया एवं अखिल भारतीय मूल्य सूचकांक औद्योगिक श्रमिकों का के आधार पर देय तिथि एवं दर से जुलाई 2019 से नहीं दिया जा रहा है तथा वृद्धावस्था में जबरन रोगों की अधिकता होती है। कोई रूपरेखा भत्ता भी नहीं सरकार दे रही है। अधिकांश फैमिली पेंशनर निश्चर की श्रेणी की होने के कारण शासन को अपनी पीड़ा भी नहीं बता पा रही है और न्याय मंद्गा होने से अपनी पीड़ा भी किसी न्यायालय को भी नहीं बता पा रही है। किसी भी समाजसेवी और उनके संगठनों का ध्यान भी पेंशनरों की दुर्दशा की ओर नहीं है, वहीं भारत सरकार तो अब जनित याचिका भी खत्म करने का मन बना चुकी है। अब केवल ईश्वर यह उसकी प्रेरणा से कोई सामाजिक कार्यकर्ता भले ही फैमिली पेंशनर्स की पीड़ा का आभास शासन को कर सके।

## दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, ग्रेटर ग्वालियर द्वारा आयोजित प्रसिद्ध किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास जैन के साथ हेल्थ टॉक शो

**किडनी से सम्बंधित रोगों के बारे में विस्तार बताया**

**अपनी डाइट में प्रोटीन अवश्य लें, नियमित किडनी की जांच कराते रहें, पानी पीते रहें: डॉ विकास जैन**

**स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न प्रश्नों के डॉ. जैन ने सरल एवं संतोषजनक जवाब दिये**



से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. जैन ने सरल एवं संतोषजनक उत्तर दिया। साथ ही उन्होंने देहदान एवं अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसमें सहभागिता के लिए भी सभी को प्रेरित किया। इस अवसर पर अनिल शाह, पारस जैन, अनिल जैन, अनुपम चौधरी, मुकेश जैन, संजय जैन, अंबरीश जैन, आशीष जैन (अध्यक्ष), अमित भंडारी (सचिव), रुपेश जैन (कोषाध्यक्ष),

अमित रोमी, कौशल जैन, ठाकुर आशीष, पीयूष जैन, भानु जैन एवं जैन समाज के प्रवक्ता ललित जैन भारती स्थित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। महिला सदस्यों में महिमा चौधरी, प्रियंका जैन, रेखा जैन, राखी जैन, मिनी जैन, सारिका जैन, मनीषी जैन, सीमा जैन, मृणाली जैन, प्रिया जैन, मधु जैन आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

## गन्ना उत्पादक किसानों की बैठक सम्पन्न

**विधायक ने गन्ना उत्पादन के लिए दिए 5 लाख रुपए**

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना/जोरा।** शक्कर कारखाना चलाओ संघर्ष समिति एवं गन्ना उत्पादक प्रोत्साहन समिति द्वारा शक्कर कारखाना प्रांगण में क्षेत्र के गन्ना उत्पादक किसानों की वृहत बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंकज उपाध्याय (विधायक जोरा) के साथ सैकड़ों किसानगण, कृषि विभाग के एडीए रविंद्र कुमार सिंह, एडीए अशोक कुमार जायसवाल, मुनीश रावत एसएडीओ कैलारस उपस्थित रहे। बैठक में विधायक पंकज उपाध्याय ने कहा कि कैलारस शक्कर कारखाना चंबल क्षेत्र की आर्थिक धुरी हुआ करता था, जब से कारखाना बंद हुआ है किसानों में भारी निराशा है। किसान फिर से गन्ना उत्पादन करना चाहते हैं, अगर सरकार मदद करे तो निश्चित रूप से गन्ना उगाया जा सकता है। जैसा कि सरकार में बैठे मंत्री कह रहे हैं कि अगर किसान गन्ना उगाएगा तो शक्कर कारखाना प्रांभ हो सकता है। हम गन्ना उगाने के लिए लगभग 5000 किसान को प्रशिक्षण प्रदान करने पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके पलस्वरूप 16 अप्रैल को अनाज मंडी प्रांगण में 100 किसानों का प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया गया। किसानों ने गन्ना उत्पादन करने का संकल्प लिया। अपने अपने गांव में गन्ना उगाने के लिए जीवन लाल त्यागी भटपुटा,



फंड की कमी बढाई जाती है तो मैं अपने विधायक निधि से 5,00,000 किसानों को गन्ना उत्पादन के लिए देता हूँ। आप किसानों को तकनीक एवं बीज उपलब्ध करा दें ताकि किसान गन्ना उगा सकें। बैठक में गन्ने के बीज उपलब्ध कराने एवं किसानों को प्रशिक्षण प्रदान करने पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके पलस्वरूप 16 अप्रैल को अनाज मंडी प्रांगण में 100 किसानों का प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया गया। किसानों ने गन्ना उत्पादन करने का संकल्प लिया। अपने अपने गांव में गन्ना उगाने के लिए जीवन लाल त्यागी भटपुटा,

राजेश धाकड़ किसरोली, सुशील सिंह यादव माकचौर, समर सिंह धाकड़ गस्तौली, वीरेंद्र सिंह धाकड़ कोंडा, भूषण सिंह धाकड़ रिझोनी, कप्तान सिंह धाकड़ बूढसिरथरा, हरिराम धाकड़ लुधाया, रामप्रकाश धाकड़ चुन्नीपुरा, दिनेश धाकड़ धूरकुड़ा, सरवन लाल धाकड़ बस्तौली ने किसानों को ट्रेनिंग दिलाने की बात कही। बैठक में प्रमुख रूप से लक्ष्मी नारायण त्यागी ग्राम बुधेरा संयोजक गन्ना उत्पादन कृषक समिति रामस्वरूप शर्मा ग्राम मोहना बुजमोहन मरैया (विधायक प्रतिनिधि), आमप्रकाश श्रीवास्तव, सुरेश उपाध्याय (पूर्व पार्षद), राजवीर धाकड़ (माकप), हरिराम धाकड़ (सिंगाचौली), हरिराम धाकड़ (लुधाया), हरेंद्र सिंह जादौन (अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस समिती

कैलारस), सुरेश उपाध्याय वीरेंद्र धाकड़ (ब्लॉक अध्यक्ष, किसान कांग्रेस कैलारस), कृषकगण जीवनलाल त्यागी, राजेश धाकड़ (किसरोली), सुशील सिंह यादव (मामचौर), समर सिंह धाकड़ (गस्तौली), भूषण सिंह धाकड़ (सरपंच, रिझोनी), कप्तान सिंह धाकड़ (बूढ सिरथरा), रामप्रकाश धाकड़ (चुन्नी का पुरा), दिनेश धाकड़ (धूरकुड़ा), सरवनलाल धाकड़ (बस्तौली), कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. मुरारीलाल अमर (शहर अध्यक्ष, कांग्रेस कमेटी जोरा), आमप्रकाश शक्कर (पूर्व सरपंच, तोरिका), साहित पटान, शम्मा कुरैशी (पार्षद), मोहित शुक्ला (पार्षद), अनुराग दुबे (सरपंच, सुजर्मा), अशोक जावद आदि उपस्थित रहे।

# नेतृत्व सक्षम हाथों में हो तो विकास सुनिश्चित है: पूर्व सांसद शेजवलकर

- सीसी सड़कों का लोकार्पण एवं 21 दिव्यांगों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल का वितरण

गवालियर। शहर के चाई 55 में विकास कार्यों की श्रृंखला लगातार आगे बढ़ रही है। इसी कड़ी में सोमवार, 13 अप्रैल 2026 को खाजांची बाबा पर सभापति निधि द्वारा डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अनेक सीसी सड़कों का लोकार्पण एवं 21 दिव्यांग हितधारियों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल वितरण किया गया।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि चाई 55 के इस क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य हो रहे हैं और सभापति मनोज तोमर की सक्रियता के चलते चाई में

पानी सोवर एवं सड़क की समस्याओं है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे



का निराकरण हुआ है और निरंतर क्षेत्र का विकास कार्य चलता ही रहेगा। उन्होंने कहा कि नेतृत्व यदि सक्षम हाथों में हो तो विकास सुनिश्चित होता

सभापति मनोज तोमर ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहता हूँ हमारे यहाँ जो भी क्षेत्र

की किसी भी समस्या के लिए आता है मैं लगातार विकास के लिए निगम प्रशासन जिला प्रशासन एवं शासन तक प्रयास कर समस्या का निराकरण करने के लिए संघर्ष करता हूँ आज इसी का परिणाम है कि क्षेत्र में विकास के कार्य लगातार हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि यहाँ पास में ही शहर का सबसे बड़ा कचरा डंपिंग क्षेत्र था जिसे मैं खत्म कराया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष कमल माखोजानी, मंडल अध्यक्ष प्रिंस मंझवार, लियाकत चाचा, अखर अली, अशोक खान, सलीम अब्बासी, युनुस रजा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व मंडल अध्यक्ष मुरारी मिश्र ने किया।

## शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो का मंत्र दिया था बाबा साहब ने: विधायक डॉ. सिकरवार



- विधायक डा. सिकरवार ने 16 स्थानों पर किया माल्यार्पण

-7100 वरिष्ठजनों का हुआ सम्मान, एक लाख लोगों के लिए भंडारा आज

गवालियर। सविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समाज में व्याप्त छुआछूत, जातिवाद और असमानता के खिलाफ कड़वा संघर्ष किया। उन्होंने दलितों, शोषितों, पिछड़ों और महिलाओं के अधिकारों के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनका मानना था कि शिक्षा ही सशक्तिकरण का एकमात्र रास्ता है, इसीलिए उन्होंने 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' का मंत्र दिया।

बाबा साहब का भारतीय समाज में योगदान विशाल और विविध है, जो एक समाज सुधारक, अर्थशास्त्री, राजनेता और कानूनी विद्वान के रूप में उनके बहुआयामी व्यक्तित्व को दर्शाता है। यह विचार कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने सविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के पूर्व सोमवार को आयोजित कार्यक्रमों में व्यक्त किया।

विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ गवालियर पूर्व विधानसभा में 16 स्थानों पर जहाँ बाबा साहब की प्रतिमा स्थापित है, वहाँ सभी स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वरिष्ठजन महिला एवं पुरुषों का सम्मान एवं समता भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया, उसके पश्चात् 7100



वरिष्ठजन महिला-पुरुषों का पुष्पमाला पहनाकर एवं श्रीपुस्तक व वस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया और सभी स्थानों पर समता भोज का भी आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रमों में विधायक डॉ. सिकरवार ने आमजनों का संबोधित करते हुये कहा कि बाबा साहब ने समाज में व्याप्त असुविधा, जातिवाद और असमानता के खिलाफ जोरदार आवाज उठाई। बाबासाहब का जीवन संघर्ष, साहस और सामाजिक न्याय का अद्भुत प्रतीक है। उनके विचार आज भी हमें समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने भारतीय समाज को न केवल समानता और न्याय का संदेश दिया, बल्कि हर व्यक्ति के अधिकारों के लिए संघर्ष भी किया। बाबासाहब ने अपना पूरा जीवन छुआछूत और जातिवाद जैसी सामाजिक बुराइयों को मिटाने में

समर्पित कर दिया। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर सिर्फ एक व्यक्ति नहीं थे, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत थे।

अंबेडकर पार्क में एक लाख श्रद्धालुओं का भंडारा आज

डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क पूलबाग में विधायक डॉ. सतीश सिकरवार 14 अप्रैल को भारत रत्न, सविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर एक लाख श्रद्धालुओं के भण्डारा (प्रसादी) का आयोजन कर रहे हैं। आयोजन की तैयारी आँ पूरी कर ली गई है। सुबह 9 बजे विधायक डॉ. सतीश सिकरवार बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन करेंगे, जिसके बाद भण्डारा (प्रसादी) का आयोजन शुरू किया जायेगा, जो कि देर रात तक चलेगा।

## अजाबस ने मनाई सविधान निर्माता भारत रत्न डॉ अंबेडकर जयंती

### उत्कृष्ट कार्य के लिए 501 समाजसेवियों का किया सम्मान

गवालियर। म.प्र. अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ (अजाबस) रेसकोर्स रोड 27ए मेला ग्राउंड के सामने जिला गवालियर द्वारा सविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर जयंती एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव ने बताया कार्यक्रम मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव को कार्यक्रम विशिष्ट अतिथि विधायक डॉ सतीश सिकरवार थे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विजय कुमार पिपरोलिया ने की एवं प्रांतीय सचिव होतम मौर्य, प्रांतीय सयुक्त सचिव शैलेन्द्र प्रताप कदम, सभागीय संरक्षक शांतिप्रकाश राजौरिया सभागीय अध्यक्ष ईजी केवी दोहरे, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव मंचासीन थे।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष की जनता को मान सम्मान एवं



दुर्गेश कुंवर सिंह ने कहा डॉ अंबेडकर साहब चाहते थे कि पुरुषों के साथ साथ महिलाओं को शिक्षा से लेकर समस्त क्षेत्रों में बराबरी का अधिकार मिले क्योंकि महिलाओं के आगे बढ़ने से समाज की तरक्की को मापा जाता है महिलाओं को आगे बढ़ने से दो परिवारों को तरक्की मिलती है। विधायक डॉ सतीश सिकरवार ने कहा डॉ अंबेडकर साहब ने भारत को सविधान में भारत

अधिकार दिए हैं डॉ अंबेडकर त्याग तपस्या बलिदान का संघर्ष भारत ऋषी है सब समाजों के तरक्की के रास्ते डॉ अंबेडकर ने खोले हैं डॉ बाबा साहब अंबेडकर भारतवासियों के लिए प्रेरणाश्रोत हैं उनके विचारों को जन तक पहुंचाने के लिए आखिरी श्वास तक कार्य करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस

अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों एवं 501 समाजसेवियों का सम्मान भी किया गया। सम्मानित व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र एवं अंग वस्त्र श्रीपुस्तक प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की गई। कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव ने कहा कि डॉ बाबा साहब के बताए मार्ग-ऋ-शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो-कृ-को आत्मसात कर समाज को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा सामाजिक एकता एवं अधिकारों की रक्षा के लिए सतत प्रयास करने का संकल्प भी दोहराया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष एन डी मौर्य एवं आभार जिला सचिव राजेंद्र पञ्चवत ने व्यक्त किया।

## मकान में लगी आग, ट्रेक्टर-स्कॉर्पियो समेत बाइक-स्कूटी जले

गवालियर। मुरार उपनगर में रविवार-सोमवार दरमियानी रात करीब 2.30 बजे एक मकान में भीषण आग लग गई। घटना प्रेमशंकर नारायण के बाड़े में संकल्प हॉस्पिटल के पास की है। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के घरों तक लपटें पहुंच गई। करीब एक घंटे की मशकत के बाद आग पर काबू पाया गया।

मकान मालिक बस्त्री कादिल के अनुसार घर के सामने वाले हिस्से में निर्माण का काम चल रहा था। वहीं, पीछे परिवार निवास करता है। रात में पड़ोसियों ने आग लगने की सूचना दी, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे। आग की लपटें तेज होने के कारण पड़ोसी घरों की दीवारें भी झुलस गईं। धुएँ और आग से घबराकर आसपास के लोग अपने बच्चों के साथ घर छोड़कर सड़क पर आ गए। आग में एक ट्रेक्टर, एक स्कॉर्पियो कार, तीन बाइक और एक स्कूटी जल गईं। घटना में लाखों रुपये के नुकसान की बात सामने आई है। मकान मालिक और स्थानीय लोगों ने बोरिंग पंप चालू कर पाइप से पानी डालना शुरू किया। आसपास के घरों से भी पानी डालकर आग बुझाने में मदद की गई। मकान मालिक ने बताया कि सूचना देने के बावजूद फायर ब्रिगेड समय पर नहीं पहुंची। जिस स्थान पर आग लगी वहाँ बिजली कनेक्शन नहीं था। ऐसे में शॉर्ट सर्किट की संभावना नहीं है। वाहनों में स्पार्किंग और पेट्रोल-डीजल के कारण आग भड़कने की आशंका जताई गई है।

## कॉम्बिंग गश्त में पुलिस ने 245 बद्माशों को पकड़कर हवालात पहुंचाया

- 285 पुराने गुंडों और हिस्ट्रीशीटों को घर पहुंचकर किया चेक



गवालियर। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस और बद्माशों के बीच चोर पुलिस का खेल हुआ। पुलिस ने रविवार-सोमवार की दरमियानी रात कॉम्बिंग गश्त की। पुलिस ने रातभर में 245 बद्माशों को पकड़कर हवालात पहुंचाया, जबकि 285 पुराने गुंडों और हिस्ट्रीशीटों को घर पहुंचकर चेक किया। गवालियर में एक स्थायी वारंटी ने जैसे ही पुलिस को देखा तो बालकनी से कूदकर सड़क पर दौड़ लगा दी, लेकिन पहले से ही मुस्तेद पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। रातभर बद्माश पुलिस को देखकर भागते रहे और पुलिस घेराबंदी कर उन्हें पकड़कर हवालात पहुंचाती रही। कॉम्बिंग गश्त अभियान में 245 बद्माशा पकड़े गए, जिनमें 134 स्थायी और 111 गिरफ्तारी वारंटी शामिल हैं। साथ ही 147 गुंडों और 138 हिस्ट्रीशीटों को भी पुलिस ने

चेक किया गया। कॉम्बिंग गश्त के दौरान अवैध शराब के 3 मामले दर्ज हुए, जबकि जुआ सट्टा में 13 आरोपियों को भी दबोचा गया। एस्पसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि जिले में अमन चैन के लिए लगातार बद्माशों की धरपकड़ करने कॉम्बिंग गश्त की जाती है। जिसमें उन बद्माशों के खिलाफ अभियान चलाया जाता है, जो लगातार पुलिस को चकमा देते हैं। इनके साथ ही उन बद्माशों को चेक किया जाता है जो पूर्व में बद्माशों में शामिल रहे हैं। ताकि पता चल सके कि वह फिर से वारदातों में शामिल तो नहीं हो रहे हैं। कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस द्वारा कई सक्रिय बद्माशों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई, साथ ही गुण्डों एवं हिस्ट्रीशीटों के रिकॉर्ड को अपडेट किया। चेकिंग के दौरान प्रत्येक गुण्डा, बद्माशा को चेतावनी दी गई कि यदि वह किसी भी अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाया

जाता है तो उनके विरुद्ध सख्त एक्शन लिया जाएगा। कॉम्बिंग गश्त के दौरान जेल से रिहा होकर आए आरोपियों को भी चेक किया गया। पुलिस कमान के निर्देश पर सभी थाना प्रभारी अपने बल के साथ इलाके में निकले और पैदल गश्त किया। इस दौरान जो भी सदेही दिखा, उसे रोका गया और उससे पूछताछ की। इस दौरान उनके द्वारा प्तारी बद्माशों, वारंटियों, गुण्डों, हिस्ट्रीशीटों एवं जिलाबंदर के आरोपियों की उनके घरों पर चेकिंग के साथ ही बैंक एटीएम एवं होटल, लॉज, धर्मशाला, छावनों को भी चेक किया। देर रात जैसे ही पुलिस कमान गश्त की कार्रवाई का जायजा लेने के लिए फ्लड में आए तो गश्त में निकले अप्सरों और जवानों का एक्शन शुरू हो गया। वहीं एस्पसपी अनु बेनीवाल, विदिता डगर, सुमन गुर्जर और जयराम कुबेर ने गश्त की मोनिटरिंग की।

## बल्क में गैस उपयोग करने वाले उपभोक्ता पीएनजी गैस कनेक्शन अवश्य लें: कलेक्टर श्रीमती चौहान

गवालियर। शहर में संचालित मैरिज गार्डन, होटल एवं व्यवसायिक उपभोक्ता अपने यहाँ पर पीएनजी गैस का कनेक्शन लें। शहर में अवैतिका एवं राजस्थान गैस एजेंसी के माध्यम से पाइप लाइन बिछाई गई है। सभी बल्क उपभोक्ता अपने-अपने यहाँ पर पीएनजी गैस कनेक्शन अवश्य लें। शहर में जिन क्षेत्रों में गैस लाइन उपलब्ध है उन स्थानों पर गैस का कनेक्शन न लेने वालों को आने वाले दिनों में व्यवसायिक सिलेन्डर उपलब्ध नहीं कराया जायेगा। यह बात कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने रविवार को मैरिज गार्डन संचालक, होटल व्यवसायी के साथ-साथ बल्क गैस उपभोक्ताओं के साथ बैठक में कही। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि शहरी क्षेत्र में अवैतिका गैस एजेंसी एवं ग्रामीण क्षेत्र में राजस्थान गैस एजेंसी के माध्यम से पाइपलाइन



बिछाने का कार्य किया गया है। सभी मैरिज गार्डन संचालक और होटल प्रबंधक अपने-अपने संस्थानों में पीएनजी गैस कनेक्शन प्राप्त कर लें। इसके लिये अवैतिका गैस के संचालकों को अपना-अपना आवेदन प्रस्तुत करें, ताकि तत्परा से गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि मैरिज गार्डनों में जिस प्रकार विद्युत बिल उपभोक्ताओं से लिया जाता है, उसी प्रकार गैस के उपयोग पर खर्च होने वाली राशि भी प्राप्त की जा सकती है।

पीएनजी गैस कनेक्शन लेने से मैरिज गार्डन एवं होटल संचालकों को किसी प्रकार की हेक्कट नहीं बल्कि सुविधा ही उपलब्ध होगी। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने यह भी निर्देशित किया कि शहर में संचालित सभी मैरिज गार्डन संचालक अपने-अपने मैरिज गार्डन में निर्माण कार्यों की अनुमति, फायर एनओसी, पर्याप्त पाकिंग व्यवस्था एवं कचरा प्रबंधन के व्यवस्था में भी नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी मैरिज गार्डनों में पाकिंग की पुख्ता

व्यवस्था होना चाहिए। नगर निगम के अपर आयुक्त प्रतीक राव ने शहर के सभी मैरिज गार्डन संचालकों से कहा कि शासन के नियमानुसार सभी मैरिज गार्डनों को अपने-अपने यहाँ निर्माण कार्य की अनुमति निगम से लेना जरूरी है। इसके साथ ही फायर एनओसी और मैरिज गार्डनों में एकत्र होने वाले बल्क कचरा प्रबंधन के लिये भी नगर निगम से अनुबंध करना आवश्यक है। सभी संचालक शासन के नियमों का पालन सुनिश्चित करें। नियमों का पालन न करने पर नगर निगम के माध्यम से मैरिज गार्डन संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। बैठक में अवैतिका गैस एजेंसी के संचालकों ने शहर में एजेंसी के माध्यम से जिन-जिन क्षेत्रों में पाइप लाइन डाली गई है, उसके बारे में जानकारी दी।

## आध्यात्मिक जीवनशैली अपनाने से नशे से दूर रहा जा सकता है: प्रह्लाद भाई

- पुलिसकर्मियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति शिविर का हुआ आयोजन

गवालियर। 14वीं वाहिनी वि. स. बल गवालियर के द्वारा पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारजनों के लिए 14वीं वाहिनी के सेनानी संजीव कुमार सिन्हा के निर्देशन में तथा सहायक सेनानी रवेश तोमर के मार्गदर्शन में मानसिक स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय गवालियर के सहयोग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ में ब्रह्माकुमारी केंद्र प्रमुख राजयोगिनी बीके आदर्श दीदी ने नशा से दूर रहने के लिए के लिए सरल एवं व्यावहारिक

उपाय बताते हुए कहा कि व्यवस्थित रूप से नशा मुक्ति शिविर का हुआ आयोजन



हमें अपनी नियमित दिनचर्या में करना चाहिए। दीदी ने कहा कि जब मन संतुष्ट और शक्तिशाली होता है, तब व्यक्ति को किसी भी प्रकार के नशे की आवश्यकता महसूस नहीं होती। लेकिन जब व्यक्ति के जीवन

में किसी भी प्रकार कि चिंता आती है तो व्यक्ति नशे कि तरफ जाने का

भौतिक उपलब्धियों में इतना उलझ गया है कि वह अपने वास्तविक स्वरूप को भूल चुका है। जबकि सच्चाई यह है कि जब व्यक्ति स्वयं को आत्मा के रूप में पहचानता है, तभी उसके भीतर आत्मविश्वास, आंतरिक शांति और मानसिक संतुलन का वास्तविक विकास होता है। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने जीवन में सकारात्मक सोच, आत्म-संयम, नियमित ध्यान (मेडिटेशन) और आध्यात्मिक जीवनशैली को अपनाते हैं, तो हम न केवल नशे से दूर रह सकते हैं, बल्कि एक सशक्त और संतुलित जीवन भी जी सकते हैं। कार्यक्रम में 14वीं वाहिनी से डॉ ओम प्रकाश वर्मा ने कहा कि यदि किसी को ड्रग एडिक्शन है उसे नशे की बीमारी है और उसकी इलाज लेना बहुत जरूरी है।

## भोपाल की छात्रा से गवालियर के होटल में 7 दिन तक दुष्कर्म

- युवक ने खुद को हिंदू बताकर छात्रा से की थी दोस्ती

गवालियर। गवालियर में भोपाल की 21 वर्षीय बीएससी छात्रा से युवक ने दुष्कर्म किया है। आरोपी ने खुद को हिंदू बताकर छात्रा से दोस्ती की और गवालियर के होटल में 7 दिन तक दुष्कर्म किया। पीड़िता से रूपये भी लिए। छात्रा 3 महीने की गर्भवती है। मामला गिरवाइं थाना क्षेत्र का है। पुलिस आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।

शुरू हुई थी। बातचीत बढ़ने के बाद मोबाइल नंबर एक्सचेंज हुए। जिसके बाद छात्रा युवक के बुलाने पर 4 मार्च 2025 को गवालियर आई थी। गिरवाइं इलाके के एक होटल में 7 दिन रुकी, जहाँ युवक ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। छात्रा से गवालियर से लौटने के चार दिन बाद युवक ने परेशानी का हवाला देकर उससे 50 हजार रुपये मांगे। छात्रा ने अपने कान के बालों बेचकर उसे रूपये दे दिए। इसके बाद युवक भोपाल आ गया। पुलिस आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।

जानकारी के मुताबिक पीड़िता पाण्डुर्णा जिले की रहने वाली 21 वर्षीय छात्रा भोपाल के अशोका गार्डन में रहकर पढ़ाई कर रही थी। करीब एक साल पहले उसकी इंटरग्राम से -सदेव शूर- आईडी से बातचीत

## नारी शक्ति वंदन अधिनियम सामाजिक न्याय की प्रतिज्ञा है: सांसद श्रीमती राय

गवालियर। लोकसभा में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा रखे गये नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं है, बल्कि सदियों से प्रतिष्ठित उस सामाजिक न्याय की प्रतिज्ञा है जिसे प्रधानमंत्री ने धरातल पर उतारा है। देश में इस विधेयक महिलाओं को केवल वोट बैंक समझने वाली मानसिकता को ध्वस्त कर ऐतिहासिक काम करेगा। यह बात भाजपा की भिंड दतिया की सांसद संध्या राय ने सोमवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुये कही। सांसद श्रीमती राय ने पत्रकारों से कहा कि भाजपा ने नारी शक्ति को बढ़ावा देने तथा उन्हें अधिक अधिकार देने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लोकसभा में पेश किया है। देश में इस अधिनियम के बाद लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत तक महिलाओं को आरक्षण भी मिलेगा। इससे शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं विधायक और सांसद बन सकेंगी। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को वोट बैंक समझने वाली मानसिकता



भूमिका में बैठाने का ऐतिहासिक काम करेगा। उन्होंने कहा कि कभी-कभी किसी निर्णय में देश का भाग्य बदलने की क्षमता होती है। हम ऐसे ही निर्णय के साक्षी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए संसद भवन के उद्घाटन के बाद आयोजित पहले सत्र की शुरुआत ही ऐतिहासिक नारी शक्ति वंदन अधिनियम से हुई थी यानी लोकतंत्र के नए मंदिर का पहला ऐतिहासिक

संध्या राय ने कहा कि विपक्ष की यह घबराहट दिखाती है कि वे कभी नहीं चाहते थे कि यह बिल पास हो। उनके लिए यह बिल केवल एक मुद्दा था, जिसे वे कभी सुलझाना नहीं चाहते थे। इस अवसर पर पूर्व मध्यां पर समीक्षा गुप्ता मीना चुगान, किरण भदौरिया, प्रिया तोमर, दीपिका मुसा, नेहा, करुणा सक्सेना, वंदना भूपेन्द्र प्रेमी उपस्थित थीं।

## संपादकीय

## डिजिटल युग में हिंदी: चुनौतियाँ और संभावनाएँ

स्निग्धा का आलेख

मोबाइल की चमकती स्क्रीन पर सिमटती दुनिया में ज्ञान को गहराई कहीं धीरे-धीरे धुंधली होती प्रतीत होती है। डिजिटल युग ने ज्ञान को हमारी उँगलियों तक पहुँचा दिया है; सूचना का विस्तार अभूतपूर्व है। परंतु भाषा से हमारा आत्मीय रिश्ता पहले जैसा सशक्त नहीं रहा। तकनीक आज जीवन का अनिवार्य हिस्सा बन चुकी है—शिक्षा, संवाद, शोध और मनोरंजन—सब कुछ डिजिटल माध्यमों से जुड़ गया है। ऐसे में शिक्षण पद्धति में परिवर्तन स्वाभाविक है, किंतु इस परिवर्तन के बीच हिंदी भाषा का शिक्षण नई परिस्थितियों और चुनौतियों का सामना कर रहा है। एक हिंदी शिक्षिका के रूप में प्रतिदिन यह अनुभव होता है कि बच्चों के विचारों में कमी नहीं है। वे जिज्ञासु हैं, कल्पनाशील हैं, संवेदनशील भी हैं। परंतु जब उन विचारों को शब्दों में ढालने का समय आता है, तो वे ठिठक जाते हैं। हाल ही में, कक्षा में विद्यार्थियों से उनके मनपसंद विषय पर कुछ पंक्तियाँ लिखने को कहा। सभी के पास भाव थे, अनुभव थे, पर शब्द नहीं। कई विद्यार्थियों ने सहज भाव से कहा—'सोच तो है, पर लिखने के लिए शब्द नहीं मिलते।' उस क्षण यह स्पष्ट हुआ कि समस्या प्रतिभा की नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति की है। माध्यमों ने संवाद को त्वरित और संक्षिप्त बना दिया है। चैट भाषा, इमोजी और मिश्रित भाषाएँ प्रयोग (हिंग्लिश) का प्रभाव बच्चों की हिंदी शब्दावली को सीमित कर रहा है। लंबे वाक्य लिखने की प्रवृत्ति कम हो रही है। शुद्ध वर्तनी और व्याकरणिक सावधानी पर ध्यान घटता जा रहा है। 'है' और 'हूँ', 'क्योंकि' और 'क्यूकी', 'वहीं' और 'वहाँ' जैसे सरल शब्दों में भी भ्रम देखने को मिलता है। कई बार बच्चे अपनी त्रुटियाँ पहचानने में भी असमर्थ होते हैं। जब भाषा की बुनियाद कमजोर होती है, तो आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है। अंततः मानक शिक्षक व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि देश के अनेक प्रतिष्ठित विद्यालय, जो केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (एन सी ई आर) से संबद्ध हैं, अपनी शिक्षण पद्धति में मुख्य रूप से अंग्रेजी माध्यम का उपयोग करते हैं। यद्यपि यह बोर्ड हिंदी माध्यम के विद्यालयों को भी पूरी मान्यता प्रदान करता है, फिर भी व्यवहार में अधिकांश विद्यार्थी अन्य विषयों का अध्ययन अंग्रेजी में करते हैं। यह स्वाभाविक है कि विद्यार्थी जिस भाषा में विज्ञान या गणित जैसे विषय पढ़ते हैं, वे उसी में अधिक सहज हो जाते हैं। परिणामस्वरूप, हिंदी उनके लिए अभिव्यक्ति का माध्यम कम और केवल एक 'विषय' अधिक बनकर रह जाती है। अभिभावकों की प्रार्थनाओं में भी अंग्रेजी का महत्व बढ़ा है, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को वैश्विक अवसरों के लिए सक्षम बनाना है। इस प्रयास में अनजाने में घर और विद्यालय दोनों स्थानों पर हिंदी के सक्रिय प्रयोग और पठन के अवसर सीमित हो जाते हैं। यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि समस्या किसी अन्य भाषा के अस्तित्व से नहीं है। बहुभाषिकता हमारे देश की शक्ति है। अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है। किंतु जिस भाषा में बच्चा अपने परिवेश को समझता है और भावनात्मक रूप से जुड़ता है, उसमें दक्षता उसके चिंतन को गहराई प्रदान करती है। यही कारण है कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 प्रारंभिक स्तर पर मातृभाषा अथवा स्थानीय भाषा में शिक्षण को महत्व देती है, क्योंकि भाषा ही विचारों की आधारशिला है। समाधान निराशा में नहीं, संतुलन में है। यदि हिंदी को केवल पाठ्यपुस्तक तक सीमित न रखकर जीवन से जोड़ा जाए, तो वह पुनः बच्चों के लिए सहज और रोचक बन सकती है। कहानी-कथन, समूह-चर्चा, भूमिका-अभिनय, वाद-विवाद, रचनात्मक लेखन और काव्य-पाठ जैसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों के शब्द-भंडार और आत्मविश्वास को सुदृढ़ कर सकती हैं। विद्यालयों में नियमित पठन-अभिनय, 'दिन का शब्द' जैसी पहलें और पुस्तकालय संस्कृति का सर्वाधिकरण भी महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं।

टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म स्वास्थ्य सेवा को और अधिक सुलभ बना रहे हैं, विशेष रूप से ग्रामीण या वंचित क्षेत्रों की महिलाओं के लिए, जिन्हें देखभाल प्राप्त करने में सामाजिक या तार्किक बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। बेहतर स्वास्थ्य देखभाल डिजाइन करने का एक और प्रमुख पहलू समावेशन है

## एक नया नुस्खा: महिलाओं द्वारा डिजाइन की गई स्वास्थ्य देखभाल

डॉ विजय गर्ग

स्वास्थ्य देखभाल, अपने सर्वोत्तम रूप में, सभी को समान रूप से सेवा प्रदान करना है। फिर भी, दशकों से महिलाओं की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को अक्सर गलत समझा जाता रहा है, उनका पर्याप्त शोध नहीं किया गया है या उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया है। देरी से निदान से लेकर मातृ देखभाल और मानसिक स्वास्थ्य सहायता में अंतराल तक, यह प्रणाली हमेशा महिलाओं की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती है। हालांकि, आज एक शक्तिशाली बदलाव चल रहा है। महिलाएँ नवप्रवर्तकों, डॉक्टरों, शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं के रूप में आगे बढ़ रही हैं, तथा सहानुभूति, समावेशिता और सटीकता के साथ स्वास्थ्य देखभाल को नया स्वरूप दे रही हैं। महिलाओं द्वारा बेहतर स्वास्थ्य देखभाल डिजाइन करने, महिलाओं के लिए एक नारा नहीं है; यह एक आवश्यक परिवर्तन है। पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है प्रतिनिधित्व की कमी। वहाँ से, चिकित्सा अनुसंधान मुख्यतः पुरुष शरीर पर केंद्रित रहा है, तथा उन्हें सामान्य माना जाता था। इससे महिलाओं को अलग-अलग प्रभावित करने वाली स्थितियों, जैसे हृदय रोग, स्वप्रतिरक्षी विकार और हार्मोनल स्वास्थ्य समस्याएं, का गलत निदान और अप्रभावी उपचार हो गया है। महिला डिजाइनर और शोधकर्ता अब लिंग-विशिष्ट अनुसंधान और व्यक्तिगत देखभाल की कालक्रमित रूप से असंतुलन को चुनौती दे रही हैं। जब महिलाएँ स्वास्थ्य देखभाल समाधानों के

डिजाइन में शामिल होती हैं, तो परिणाम अक्सर अधिक समग्र होते हैं। वे उन क्षेत्रों पर ध्यान आकर्षित करते हैं जिन्हें कभी उपेक्षित किया गया था। मासिक धर्म स्वास्थ्य, प्रजनन अधिकार, रजोनिवृत्ति देखभाल और मानसिक कल्याण। ये कोई विशिष्ट चिंता नहीं हैं, बल्कि जीवन के आवश्यक पहलू हैं जो लाखों लोगों को प्रभावित करते हैं। महिलाओं के नेतृत्व वाली पहल से सुरक्षित स्थान निर्मित हो रहे हैं, जहाँ मरीज महसूस करते हैं कि उनकी बात सुनी गई है, उनका सम्मान किया गया है और उन्हें समझा गया है, जिससे इन विषयों पर खुलकर चर्चा करने की लंबे समय से चली आ रही वर्जनाएं टूट गईं। इस परिवर्तन में प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मासिक धर्म चक्र को ट्रैक करने वाले मोबाइल स्वास्थ्य ऐप्स से लेकर गर्भावस्था के स्वास्थ्य की निगरानी करने वाले पहने योग्य उपकरणों तक, महिला नवप्रवर्तक व्यक्तियों को अपने शरीर के बारे में जानकारी देने के लिए डिजिटल उपकरणों का उपयोग कर रहे हैं। टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म स्वास्थ्य सेवा को और अधिक सुलभ बना रहे हैं, विशेष रूप से ग्रामीण या वंचित क्षेत्रों की महिलाओं के लिए, जिन्हें देखभाल प्राप्त करने में सामाजिक या तार्किक बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। बेहतर स्वास्थ्य देखभाल डिजाइन करने का एक और प्रमुख पहलू समावेशन है। महिलाएँ समझती हैं कि स्वास्थ्य सेवा को विभिन्न समूहों के लिए उपयुक्त होना चाहिए। आयु, सामाजिक-आर्थिक स्थिति, भूगोल और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। एक ही उपाय सभी के लिए उपयुक्त नहीं है।



उदाहरण के लिए, किसी ग्रामीण महिला की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताएँ शहरी पेशेवर से काफी भिन्न हो सकती हैं। निर्णय लेने में विभिन्न समुदायों के महिलाओं को शामिल करके, स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियाँ अधिक उत्तरदायी और न्यायसंगत बन सकती हैं। नेतृत्व भी मायने रखता है। जब महिलाएँ अस्पतालों, शोध संस्थानों और स्वास्थ्य मंत्रालयों में नेतृत्व के पद पर होती हैं, तो नीतियाँ व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाती हैं। मातृ मृत्यु दर, बाल पोषण, कार्यस्थल स्वास्थ्य और लिंग-आधारित हिंसा जैसे मुद्दों पर वह ध्यान दिया जाता है जिसके वे हकदार हैं। महिला नेतृत्व सहयोग, करुणा और दीर्घकालिक सोच को बढ़ावा देता है। एक टिकाऊ स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के निर्माण के लिए आवश्यक गुण। शिक्षा और जागरूकता समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी

साक्षरता से सशक्त बनाना उन्हें अपने और अपने परिवार के लिए सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाता है। जब महिलाएँ निवारक देखभाल, पोषण और मानसिक स्वास्थ्य को समझती हैं, तो इसका लाभ व्यक्तियों से आगे बढ़कर पूरे समुदाय तक पहुंच जाता है। शिक्षित महिलाएँ अक्सर बेहतर स्वास्थ्य प्रथाओं की कालक्रमित करती हैं, जिससे भावी पीढ़ियों पर प्रभाव पड़ता है। हालांकि, चुनौतियाँ बनी हुई हैं। लैंगिक पूर्वाग्रह, महिलाओं पर केंद्रित अनुसंधान के लिए धन की कमी और सांस्कृतिक बाधाएँ अभी भी दुनिया के कई हिस्सों में प्रगति को सीमित करती हैं। इन बाधाओं पर काबू पाने के लिए सरकारों, संस्थानों और बड़े पैमाने पर समाज से सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। विज्ञान, चिकित्सा और नवाचार में महिलाओं का समावेश करना केवल समानता के बारे में नहीं है; यह सभी

के लिए स्वास्थ्य देखभाल परिणामों में सुधार करने के बारे में है। महिलाओं के लिए बेहतर स्वास्थ्य देखभाल तैयार करने से अंततः अधिक मानवीय और प्रभावी प्रणाली बनती है। यह सुनिश्चित करता है कि देखभाल केवल नैदानिक नहीं बल्कि करुणामय हो, न केवल प्रतिक्रियाशील बल्कि निवारक भी हो। जब महिलाएँ स्वास्थ्य देखभाल डिजाइन के केंद्र में होती हैं, तो प्रणाली अधिक समावेशी, उत्तरदायी और लचीली हो जाती है। महिलाओं के अनुभवों की दृष्टि से स्वास्थ्य देखभाल को पुनः कल्पना करने में, हम ऐसे भविष्य के करीब पहुंच रहे हैं जहाँ प्रत्येक व्यक्ति लिंग की परवाह किए बिना वह देखभाल प्राप्त करता है जिसके वे वास्तव में हकदार हैं। डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाशास्त्री स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलेरी

के लिए स्वास्थ्य देखभाल परिणामों में सुधार करने के बारे में है। महिलाओं के लिए बेहतर स्वास्थ्य देखभाल तैयार करने से अंततः अधिक मानवीय और प्रभावी प्रणाली बनती है। यह सुनिश्चित करता है कि देखभाल केवल नैदानिक नहीं बल्कि करुणामय हो, न केवल प्रतिक्रियाशील बल्कि निवारक भी हो। जब महिलाएँ स्वास्थ्य देखभाल डिजाइन के केंद्र में होती हैं, तो प्रणाली अधिक समावेशी, उत्तरदायी और लचीली हो जाती है। महिलाओं के अनुभवों की दृष्टि से स्वास्थ्य देखभाल को पुनः कल्पना करने में, हम ऐसे भविष्य के करीब पहुंच रहे हैं जहाँ प्रत्येक व्यक्ति लिंग की परवाह किए बिना वह देखभाल प्राप्त करता है जिसके वे वास्तव में हकदार हैं। डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाशास्त्री स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलेरी

## रील्स: फेसबुक और इंस्टाग्राम पर व्यवसाय विकास के लिए एक शक्तिशाली उपकरण

डॉ विजय गर्ग

आज की तेज गति वाली डिजिटल दुनिया में, लघु वीडियो सामग्री ध्यान आकर्षित करने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक बन गई है। फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म ने (ऋद्धदृष्ट) को पेश किया है, जो एक ऐसी सुविधा है जो उपयोगकर्ताओं को आकर्षक लघु वीडियो बनाने और साझा करने की अनुमति देती है। मनोरंजन की प्रवृत्ति के रूप में शुरू हुआ यह अब एक शक्तिशाली व्यावसायिक उपकरण बन गया है, जो ब्रांडों को दर्शकों से जुड़ने, दृश्यता बढ़ाने और बिक्री बढ़ाने में मदद करता है। व्यवसाय के लिए रील्स क्यों

मायने रखती हैं रील्स को त्वरित, दृश्यतात्मक रूप से आकर्षक और उपभोग करने में आसान बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। ध्यान अवधि कम होने के कारण, व्यवसायों को ऐसी सामग्री की आवश्यकता होती है जो दर्शकों को तुरंत आकर्षित कर सके और रील्स ठीक वैसे ही करती हैं। पारंपरिक पोस्टों के विपरीत, रील्स को अक्सर प्लेटफॉर्म एल्गोरिदम द्वारा बढ़ावा दिया जाता है, जिससे छोटे व्यवसाय भी बिना भारी विज्ञापन लागत के बड़े दर्शकों तक पहुंच सकते हैं। ब्रांड दृश्यता बढ़ाना रील्स का सबसे बड़ा फायदा ब्रांड दृश्यता बढ़ाने की उनकी क्षमता है।

जब कोई व्यवसाय लगातार रचनात्मक और प्रासंगिक वीडियो उपकरणों के साथ, व्यवसाय उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री बना सकते हैं। इससे रील्स सभी स्तरों पर उद्यमियों के लिए एक सुलभ विपणन समाधान बन जाता है। ग्राहक सहभागिता का निर्माण रील्स लाइक, कमेंट, शेयर और सेव के माध्यम से बातचीत को प्रोत्साहित करती है। व्यवसाय इस सुविधा का उपयोग अपने दर्शकों के साथ सीधे जुड़ने के लिए कर सकते हैं, जैसे पदों के पीछे के क्षण, उत्पाद प्रदर्शन, ग्राहक प्रशंसापत्र या त्वरित सुझाव। इस प्रकार की सामग्री अधिक

तरीका प्रदान करती है। सिर्फ एक स्मार्टफोन और बुनियादी संपादन उपकरणों के साथ, व्यवसाय उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री बना सकते हैं। इससे रील्स सभी स्तरों पर उद्यमियों के लिए एक सुलभ विपणन समाधान बन जाता है। ग्राहक सहभागिता का निर्माण रील्स लाइक, कमेंट, शेयर और सेव के माध्यम से बातचीत को प्रोत्साहित करती है। व्यवसाय इस सुविधा का उपयोग अपने दर्शकों के साथ सीधे जुड़ने के लिए कर सकते हैं, जैसे पदों के पीछे के क्षण, उत्पाद प्रदर्शन, ग्राहक प्रशंसापत्र या त्वरित सुझाव। इस प्रकार की सामग्री अधिक

व्यक्तिगत और प्रासंगिक लगती है, जो ग्राहकों के बीच विश्वास और निष्ठा बनाने में मदद करती है। रचनात्मकता और नवाचार का प्रदर्शन रील्स व्यवसायों को रचनात्मक कहानी कहने का प्रयोग करने की अनुमति देती है। चाहे वह ट्रेंडिंग संगीत, चुनौतियाँ या कहानी कहने की तकनीक का उपयोग करना हो, ब्रांड अपने उत्पादों को अनूठे तरीकों से प्रस्तुत कर सकते हैं। रचनात्मक सामग्री न केवल मनोरंजन करती है, बल्कि दर्शकों पर स्थायी प्रभाव भी छोड़ती है। बिक्री और रूपांतरण को बढ़ावा देना

रील्स केवल दर्शकों के बारे में नहीं हैं— वे बिक्री को भी बढ़ा सकते हैं। स्पष्ट कॉल-टू-एक्शन, उत्पाद लिंक या प्रचार प्रस्ताव शामिल करके, व्यवसाय दर्शकों को खरीदारी करने के लिए मार्गदर्शन कर सकते हैं। कई ब्रांड उत्पाद सुविधाओं को उजागर करने, छूट की घोषणा करने या नए संग्रह लॉन्च करने के लिए रील्स का उपयोग करते हैं, जिससे दर्शक प्रभावी रूप से ग्राहक बन जाते हैं। जैसे-जैसे अधिक व्यवसाय डिजिटल मार्केटिंग रणनीतियों को अपना रहे हैं, प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए नवाचार की आवश्यकता है। रील्स युवा दर्शकों से जुड़ने का एक आधुनिक तरीका प्रदान करती है जो पाठ या

छवियों की बजाय वीडियो सामग्री को पसंद करते हैं। जो व्यवसाय इस प्रवृत्ति के अनुकूल होते हैं, उनके प्रतिस्पर्धी बाजार में प्रासंगिक बने रहने और आगे बढ़ने की अधिक संभावना होती है। प्रभावी रील्स बनाने के लिए सुझावों/वीडियो को छोटा, आकर्षक और दृश्यतात्मक रूप से आकर्षक रखें। ट्रेंडिंग ऑडियो और हैशटैग का उपयोग करें प्रत्यक्ष बिक्री के बजाय कहानी कहने पर ध्यान केंद्रित करें। पोस्टिंग में स्थिरता बनाए रखें भविष्य की सामग्री में सुधार करने के लिए प्रदर्शन का विश्लेषण करें निष्कर्ष

रील्स ने फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर व्यवसायों के अपने दर्शकों के साथ संवाद करने के तरीके को बदल दिया है। वे उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने का एक गतिशील, किफायती और अत्यधिक आकर्षक तरीका प्रदान करते हैं। लघु-रूप वीडियो सामग्री की शक्ति का लाभ उठाकर, व्यवसाय अपनी पहुंच बढ़ा सकते हैं, ग्राहक संबंधों को मजबूत कर सकते हैं, और डिजिटल युग में टिकाऊ विकास प्राप्त कर सकते हैं। डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाशास्त्री स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलेरी

## लापरवाही और संवेदनहीनता अपराध की गंभीरता को और त्रासद बना देती है

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एक बच्ची से बलात्कार और उसकी हत्या के मामले ने फिर यही साबित किया है कि शासन-तंत्र और पुलिस से लेकर अस्पतालों तक पसरी व्यापक लापरवाही और संवेदनहीनता दरअसल अपराध की गंभीरता को और त्रासद बना देती है। यह कल्पना करना भी मुश्किल है कि एक मासूम के खिलाफ पहले अपराधी बर्बरता से पेश आता है, फिर दो निजी अस्पतालों को उसके जीने-मरने की परवाह नहीं होती और पुलिस भी घनघोर लापरवाही बरतती है।

बलात्कार किया और ईंट से वार कर उसे मरने के लिए छोड़ दिया। बेटी को खोजने के बाद जब पिता उसे लेकर इलाज के लिए गए, तो दो निजी अस्पतालों ने उपचार करने से मना कर दिया। आखिर में बच्ची को एक सरकारी अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। यानी अपराध की वीभत्सता के बाद जिन अस्पतालों को सबसे पहले बच्ची की जान बचाने की कोशिश करनी चाहिए थी, वहाँ उन्होंने मना कर दिया। त्रासदी यहाँ नहीं रुकी। इसके बाद पोस्टमार्टम रिपोर्ट में साक्ष्य के बावजूद पुलिस ने प्राथमिकी में बलात्कार की धारा नहीं जोड़ी और न ही पाक्सो अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया। पुलिस ने पीड़ित परिवार का उत्पीड़न किया और कहानियाँ बनाती रही। अव्वल तो लचर कानून-व्यवस्था की वजह से जघन्य अपराध की घटना होती है। फिर उसके बाद भी पुलिस को

जरूरी कार्रवाई करने से कौन रोकता है। यह बेवजह नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार, संबंधित थाना प्रभारी, दोनों निजी अस्पतालों और कार्यकारी मजिस्ट्रेट के प्रति सख्त रुख अख्तियार किया है। अदालत ने यहाँ तक कहा कि मामले के तथ्य और परिस्थितियों ने हमारी अंतरात्मा को झकझोर दिया। उत्तर प्रदेश सरकार आए दिन राज्य में अपराध पर पूरी तरह काबू पाने के दावे करती रहती है, लेकिन एक मासूम के खिलाफ हुई बर्बर घटना और उसके बाद पुलिस की संवेदनहीनता क्या दर्शाती है? लोग अब छोटी-छोटी बातों पर अपना आपा खो देते हैं। ऐसी घटनाओं का अंत कई बार किसी की हत्या तक के रूप में सामने आता है। इस तरह के मामलों में नाबालिगों के भी शामिल पाए जाने से स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

## स्थायी शांति के लिए संवाद की गुंजाइश बनाने के लिए हर स्तर पर पहलकदमी हो

मगर वार्ता की विफलता की जैसी जैसी खबरें आईं, वे निराश करने वाली हैं। दरअसल, रविवार को बातचीत खत्म होने के बाद अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच फासला कम करने और समझौता करने की पूरी कोशिश की गई

मगर वार्ता की विफलता की जैसी जैसी खबरें आईं, वे निराश करने वाली हैं। दरअसल, रविवार को बातचीत खत्म होने के बाद अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच फासला कम करने और समझौता करने की पूरी कोशिश की गई, लेकिन हम किसी समझौते तक नहीं पहुंच सके। दूसरी ओर, ईरान की ओर से कहा गया कि अमेरिका की ह्याअर्थिक गैरवाजिब मांगों और उसके रुख में लचीलापन न होने के कारण दोनों देशों के बीच कई बातचीत किसी समझौते के बिना खत्म हो गई। जाहिर है, इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच लगभग इक्कीस घंटे चली बातचीत का कोई नतीजा नहीं

निकला। इसीलिए इसे एक विफल वार्ता कहा जा रहा है। सवाल है कि जब दोनों पक्षों के सामने विवाद के मुद्दे स्पष्ट थे, तो क्या वे इन पर व्यावहारिक रुख अख्तियार करते हुए युद्ध खत्म करने के मकसद के साथ एक कदम पीछे, चार कदम आगे के सूत्र पर काम नहीं कर सकते थे। अमेरिका किसी भी समझौते तक पहुंचने के लिए ईरान से परमाणु हथियार नहीं बनाने और इस क्षमता को हासिल करने के लिए जरूरी उपकरण जुटाने से दूर रहने का आश्वासन चाहता है। वहीं ईरान का कहना है कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने भविष्य को ध्यान में रखते हुए कई रचनात्मक योजनाएँ पेश कीं, लेकिन अमेरिकी ईरान का विश्वास हासिल नहीं कर सके। जब युद्ध खत्म करने की इच्छा के पीछे ईमानदारी हो, तो वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए शर्तों को पूरा किए जाने की मांग के जित में तब्दील होने से बचने के हालात बनाने की जरूरत होती है। बातचीत के प्रमुख मुद्दों में ईरान में युद्ध का पूरी तरह अंत, ईरान की जब्त संपत्तियाँ परमाणु कार्यक्रम, युद्ध गैरजाहिर है, इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच लगभग इक्कीस घंटे चली बातचीत का कोई नतीजा नहीं

नजरिया अपनाए बिना किसी ठोस हल तक पहुंचा जा सकता है? यह समझना मुश्किल है कि जब ईरान के मुताबिक चौदह दिनों के युद्धविराम की शर्तों में लेबनान पर भी हमले रोकना भी शामिल था, तो इजरायल को लेबनान के नागरिक ठिकानों पर हमला करके शांति की उम्मीद पर चोट करने की क्या जरूरत थी। गौरतलब है कि इजरायल के इसी हमले के बाद ईरान ने दोबारा होमरुज जलमार्ग को बंद करने की घोषणा कर दी थी। सिर्फ इस जलमार्ग के बाधित होने की वजह से भारत सहित दुनिया के बहुत सारे देशों में प्राकृतिक गैस और तेल की आपूर्ति पर व्यापक असर पड़ा है। यह सही है कि अमेरिकी भी पक्ष की ओर से आक्रामक बयानबाजी के बजाय स्थायी शांति के लिए संवाद की गुंजाइश बनाने के लिए हर स्तर पर पहलकदमी हो।

इसलिए शांति वार्ता के नाकाम होने के बावजूद जरूरत इस बात की है कि सबसे पहले कम से कम युद्धविराम को बनाए रखने के लिए सभी पक्ष संवेदनशील रहें। और किसी भी पक्ष की ओर से आक्रामक बयानबाजी के बजाय स्थायी शांति के लिए संवाद की गुंजाइश बनाने के लिए हर स्तर पर पहलकदमी हो।



## 200 मीटर रेस में बोल्ट से भी तेज निकले गाउट ऑस्ट्रेलिया के 18 वर्षीय गाउट ने रेस 19.67 सेकंड में पूरी कर बोल्ट का इस उम्र का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली। एथलेटिक्स की दुनिया में रविवार को एक ऐसा चमत्कार हुआ, जिसने भविष्य की सुनहरी झलक पेश कर दी। सिडनी ओलिंपिक पार्क एथलेटिक सेंटर में 18 वर्षीय स्प्रिंट सनसनी गाउट ने 200 मीटर के फाइनल में 19.67 सेकंड का अविश्वसनीय समय निकालकर इतिहास रच दिया। यह समय न केवल महान उम्रिन बोल्ट के रिकॉर्ड से तेज है, बल्कि इसने ऑस्ट्रेलियाई एथलेटिक्स के एक नए युग का सूत्रपात भी कर दिया है। इतिहास में तुलनाएं अक्सर की जाती हैं, लेकिन गाउट ने आंकड़ों से अपनी श्रद्धा साबित की। साल 2004 में उम्रिन बोल्ट ने 18 साल की उम्र में 19.93 सेकंड का समय निकाला था। ऑस्ट्रेलियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गाउट ने उनसे कहीं आगे निकलते हुए 19.67 सेकंड में फिनिश लाइन पार की और गोल्ड मेडल जीता। यह इस साल दुनिया का सबसे तेज समय है। गाउट के लिए यह जीत एक भावनात्मक पल भी थी। पिछले साल उन्होंने 19.84 सेकंड का समय निकाला था, लेकिन



वह 'अवैध टेलविड' के कारण आधिकारिक नहीं हो सका था। इस बार 1.7 मीटर प्रति सेकंड की वैध हवा की गति के साथ उन्होंने रफ्तार पर मुहर

मर्फी को इस चुनौती ने गाउट के भीतर के 'एथलेटिक दानव' को जगा दिया। अंतिम मीटरों में गाउट ने अपनी सिग्नेचर टॉप-स्पीड पकड़ी और जब स्कोरबोर्ड पर समय चमका, तो पूरा स्टेडियम स्तब्ध रह गया। इस प्रदर्शन में एडन मर्फी की भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता। मर्फी ने 19.88 सेकंड का समय निकाला और दूसरे स्थान पर रहे। यह पहली बार है, जब एक ही रेस में दो ऑस्ट्रेलियाई धावकों ने 20 सेकंड से कम में रेस पूरी की है। मर्फी ने पीटर नॉर्मन के 1968 के उस रिकॉर्ड को तोड़ने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की, जो दशकों से अभेद्य लग रहा था। उन्होंने गाउट को उनके सर्वश्रेष्ठ स्वरूप तक धकेलने में अहम भूमिका निभाई। गाउट जिस ट्रैक पर दौड़े, वह सिडनी 2000 ओलिंपिक का वार्म-अप ट्रैक था। जब वे पॉडियम पर खड़े थे, तो ऐसा लग रहा था जैसे उन्होंने पुरानी पीढ़ी से मशाल थाम ली। विशेषज्ञों का मानना है कि गाउट अब लॉस एंजेलिस 2028 ओलिंपिक के मेडल के लिए भी प्रबल दावेदार बन चुके हैं।

## आरसीबी के टिम डेविड और हार्दिक पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज टिम डेविड और मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पर जुर्माना लगाया गया है। रविवार को आरसीबी और मुंबई इंडियंस के बीच वानखेड़े स्टेडियम में आईपीएल 2026 का मुकाबला खेला गया था। डेविड पर आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के कारण मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमिटेड अंक भी जोड़ा गया है।



लेवल-1 के उल्लंघन के कारण कार्रवाई की गई है। डेविड ने अंपायर के फैसले पर निराशा व्यक्त की थी। आईपीएल ने बयान में कहा, डेविड पर आईपीएल की आचार संहिता आर्टिकल 2.4 के उल्लंघन का आरोप है। उन्होंने मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताई थी। पहली

उन्होंने फिर अंपायर को गेंद नहीं सौंपी। डेविड ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों और मैच रेफरी द्वारा जुर्माने को स्वीकार किया।  
**धीमी ओवर गति को लेकर हार्दिक पर हुई कार्रवाई**  
वहीं, मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या पर भी अंपायर गति को लेकर जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल की आचार संहिता के आर्टिकल 2.22 के तहत इस सीजन टीम का यह पहला उल्लंघन था जिस कारण उन पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आरसीबी ने रविवार को खेले गए इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस को हराया था। मुंबई की मौजूदा सीजन में तीसरी हार है।

डेविड ने दो बार किया नियम का उल्लंघन  
डेविड पर मुंबई के खिलाफ आईपीएल की आचार संहिता के

## आईपीएल 2026 : रोहित शर्मा ने मुंबई इंडियंस के लिए पूरे किए 6 हजार रन

मुंबई। आईपीएल 2026 के 20वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस (एमआई) की थिड्ट रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ हो रही है। वानखेड़े के मैदान पर रोहित शर्मा ने खास उपलब्धि को अपने नाम किया। रोहित ने एमआई की तरफ से खेलते हुए आईपीएल में 6 हजार रन पूरे कर लिए हैं। आईपीएल इतिहास में रोहित इस मुकाम तक पहुंचने वाले महज दूसरे खिलाड़ी हैं। एमआई की ओर से खेलते हुए इस लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी रोहित शर्मा के नाम है।



धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की तरफ से खेलते हुए 4,865 रन बनाए हैं। वहीं, सुरेश रैना ने सीएसके के लिए 4,687 रन बनाए हैं। रोहित शर्मा को हाल ही में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए 15

साल पूरे हुए हैं। अपनी कप्तानी में रोहित मुंबई इंडियंस को पांच बार चैंपियन बना चुके हैं। इससे पहले, आरसीबी ने 20 अक्टूबर में 4 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 240 रन लगाए। फिनल साल्ट और विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 120 रनों का बेहतरीन साझेदारी निभाई।

कोहली ने 38 गेंदों में 50 रन बनाए, जबकि साल्ट ने सिर्फ 36 गेंदों में 53 रनों की दमदार पारी खेली। अंत के ओवरों में टिम डेविड ने 16 गेंदों में 212 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 34 रन बनाए। वहीं, जितेश शर्मा ने 10 रनों का योगदान दिया, तो रोमारियो शेफर्ड 2 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में डेट बोल्ट, बुमराह, शार्दूल और सेंटनर ने एक-एक विकेट चटकवाया।

## आयुष शेड्डी ने एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप में सिल्वर जीता, फाइनल में चीनी खिलाड़ी से हारे

नई दिल्ली। भारतीय शटलर आयुष शेड्डी को बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। फाइनल मुकाबले में उन्हें चीन के शी यू की के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। 60 सालों के बाद किसी भारतीय ने चैंपियनशिप के मेंस सिंगल्स फेडरेशन के फाइनल में जगह बनाई थी। आयुष से पहले दिनेश खन्ना ने 1965 में मेंस सिंगल्स में गोल्ड जीता था।



रविवार को चीन के झेजियांग में खेले गए फाइनल में आयुष का मुकाबला दुनिया के नंबर-2 खिलाड़ी शी यू की से था। 20 साल के आयुष यह मैच 8-21, 10-21 से सीधे गेम में हार गए। इस हार के बावजूद आयुष ने अपने करियर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। नो बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले भारतीय मेंस शटलर बन गए हैं। इससे पहले 1965 में दिनेश खन्ना ने इस टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल

यह भारत का कुल 19वां मेडल है। भारत ने अब तक 2 गोल्ड, 1 सिल्वर (आयुष) और 16 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। 1965 में दिनेश खन्ना ने सिंगल्स में और 2023 में साल्वि-चिंरा की जोड़ी ने मेंस डबल्स में गोल्ड जीता था।

**सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन को हराया**  
इस टूर्नामेंट में आयुष का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने वर्ल्ड नंबर 1, वर्ल्ड नंबर 4 और वर्ल्ड नंबर 7 जैसे टॉप रैंक वाले खिलाड़ियों को हराया था। शनिवार को हुए सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-25 आयुष ने डिफेंडिंग चैंपियन और नंबर-1 प्लेयर कुलावत वित्तिदसन को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी।

## व्यापार

## पहली बार एआई से बनाई 17,000 करोड़ की कंपनी, सिर्फ दो भाई संभालते हैं काम

नई दिल्ली। लॉस एंजेलिस में रहने वाले 41 साल के मैथ्यू गैलाघर ने एआई से 17 हजार करोड़ की कंपनी बना दी। कंपनी का नाम मेडली है जिसे बनाने में सिर्फ दो महीने और 18 लाख रुपए खर्च हुए हैं।  
मेडली एक टेलेहेल्थ स्टार्टअप है जो वजन घटाने वाली दवाओं की ऑनलाइन बिक्री और परामर्श देता है। यह इसलिए चर्चा में है क्योंकि इसका सालाना रेवेन्यू करीब 717 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। इस कंपनी में सिर्फ 2 लोग हैं। मैथ्यू और उनके भाई इलियट।



**कोड, कंटेंट, इमेज सारे काम दू से कराए**  
मैथ्यू ने सॉफ्टवेयर का कोड, वेबसाइट का कंटेंट, विज्ञापन के लिए इमेज और वीडियो भी एआई से बनाए। यहाँ तक कि कस्टमर सर्विस के लिए एआई बॉट्स तैयार किए। कॉलिंग और कंटेंट के लिए चैटजीपीटी, क्लॉड और ग्राफ़ की मदद ली गई।  
विज्ञापन के लिए मिडजनी और रनवे जैसे टूल्स से इमेजेस और वीडियो एड्स बनाए।  
कस्टमर सर्विस के लिए टूट वॉइस टूल और चैटबॉट्स का इस्तेमाल किया।

वैलिडेट' और 'ओपनलूप' जैसे प्लेटफॉर्म के साथ पार्टनरशिप की है। ये कंपनियाँ डॉक्टरों का नेटवर्क, दवाएं और शिपिंग संभालती हैं। मेडली दू से मार्केटिंग और कस्टमर एक्विजिशन का काम करती है।  
पहले साल करीब 3,700 करोड़ रुपए की सेल्स  
सितंबर 2024 में शुरू हुई इस कंपनी को पहले महीने में 300 और दूसरे महीने में 1,000 नए ग्राहक मिले। पहले पूरे साल में कंपनी ने करीब 3,700 करोड़ रुपए की सेल्स की।  
अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने कंपनी को भ्रामक विज्ञापनों के लिए चेतावनी भी दी है। इसके अलावा, कैलिफोर्निया में कंपनी पर एंटी-स्वैम कानून के उल्लंघन का मुकदमा भी दर्ज हुआ है। शुरुआत में कंपनी के एआई चैटबॉट्स ने गलत कीमतें बताते जैसी गलतियाँ भी की थीं।

**कोड, कंटेंट, इमेज सारे काम दू से कराए**  
मैथ्यू ने सॉफ्टवेयर का कोड, वेबसाइट का कंटेंट, विज्ञापन के लिए इमेज और वीडियो भी एआई से बनाए। यहाँ तक कि कस्टमर सर्विस के लिए एआई बॉट्स तैयार किए। कॉलिंग और कंटेंट के लिए चैटजीपीटी, क्लॉड और ग्राफ़ की मदद

## खुदरा महंगाई दर मार्च में बढ़कर 3.40% पर पहुंची

खुदरा मुद्रास्फीति मार्च में मामूली रूप से बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो गई, जबकि फरवरी में यह 3.21 प्रतिशत थी। सरकार ने सोमवार को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़ों के आधार पर, मार्च में खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि की दर 3.87 प्रतिशत रही, जो पिछले महीने के 3.47 प्रतिशत से अधिक है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति क्रमशः 3.63 प्रतिशत और 3.11 प्रतिशत रही। हालांकि, यह मामूली उछाल तत्काल चिंता का विषय नहीं है क्योंकि समग्र मूल्य वृद्धि अभी भी 4 प्रतिशत के सुविधाजनक और प्रबंधनीय स्तर से नीचे बनी हुई है।  
**ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महंगाई का अंतर**  
आंकड़ों का गहराई से विश्लेषण करने पर स्पष्ट होता है कि शहरों की तुलना में गांवों में महंगाई का दबाव किस प्रकार भिन्न है।  
**खाद्य महंगाई में उछाल और**



क्षेत्रों में खुदरा महंगाई दर 3.63 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि इसके मुकाबले शहरी इलाकों में यह दर 3.11 प्रतिशत के निचले स्तर पर रही। यह अंतर स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि गांवों और शहरों के बीच मूल्य दबाव किस प्रकार भिन्न है।  
**खाद्य महंगाई में उछाल और**  
आवास क्षेत्र में राहत  
घरेलू बजट में सबसे अहम भूमिका निभाने वाली खाद्य वस्तुओं की कीमतों में हल्का इजाफा देखा गया है। खाद्य महंगाई (सीएफपीआई): अखिल भारतीय उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (सीएफपीआई) मार्च में 3.87 प्रतिशत (अंतिम) दर्ज किया

गया, जो फरवरी के 3.47 प्रतिशत से अधिक है। यहाँ भी ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई (3.96 प्रतिशत) शहरी क्षेत्रों (3.71 प्रतिशत) की तुलना में अधिक रही, जो बताता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य लागत तेजी से बढ़ रही है। आवास महंगाई: इसके विपरीत, आवास (हाउसिंग) क्षेत्र में महंगाई दर 2.11 प्रतिशत (अंतिम) के निचले स्तर पर रही। शहरी आवास महंगाई 1.95 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 2.54 प्रतिशत रही। इससे यह स्पष्ट होता है कि फिलहाल किराए और आवास से जुड़ी लागतों ने उपभोक्ताओं पर कोई बड़ा अतिरिक्त दबाव नहीं डाला है।  
**किन वस्तुओं ने दी राहत और क्या हुआ महंगा?**  
मार्च के आंकड़ों की सबसे बड़ी राहत रसोई के प्रमुख सामानों की कीमतों में आई भारी गिरावट है, जबकि कुछ अन्य क्षेत्रों में महंगाई का असर अब भी कायम है।

## शांति वार्ता विफल होने के बाद पाकिस्तान का शेयर बाजार धड़ाम, 6000 अंक टूटा केएसई 100

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता के विफल होने का सीधा और नकारात्मक असर पाकिस्तान के वित्तीय बाजारों पर देखने को मिला है। सोमवार को पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज में भारी बिकवाली का दौर रहा, जिसके चलते प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स केएसई 100 (केएसई 100) में लगभग 6,000 अंकों की भारी गिरावट दर्ज की गई। इस भू-राजनीतिक झटके ने निवेशकों के उत्साह को बुरी तरह से प्रभावित किया है।  
पाकिस्तान का प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक केएसई 100 सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान 3.5 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज करके 1,61,638 पर पहुंच गया। बाजार में इस भारी गिरावट का मुख्य कारण अमेरिका और ईरान के बीच



ने मध्यस्थ की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। लेकिन इन दोनों शीर्ष नेतृत्व के कूटनीतिक प्रयासों के बावजूद जब यह वार्ता किसी ठोस शांति समझौते में तब्दील नहीं हो सकी,

तो बाजार में तुरंत निराशा छ गई और निवेशकों ने मुनाफावस्तुली व बिकवाली शुरू कर दी।

सोमवार की यह भारी गिरावट पिछले सप्ताह के कारोबारी रुझान के बिल्कुल विपरीत है। बीते सप्ताह के बुधवार को जब अमेरिका और ईरान के बीच एक अस्थायी युद्धविराम की खबरें सामने आई थीं, तब पूरे क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव कम होने की उम्मीद जगी थी। उस सकारात्मक खबर से निवेशकों का विश्वास मजबूत हुआ था और केएसई 100 इंडेक्स ने 12,000 से अधिक अंकों की जबरदस्त उछाल लगी थी। यह बढ़त निरपेक्ष रूप से इंडेक्स की अब तक की सबसे बड़ी इंट्राडे बढ़त थी। लेकिन वार्ता के विफल होने से यह रिकॉर्ड तेजी कुछ ही दिनों में काफूर हो गई।

## सेंसेक्स 703 अंक गिरकर 76,848 पर आया निफ्टी भी 208 फिसलकर 23,870 पर बंद

नई दिल्ली। सोमवार, 13 अप्रैल को सेंसेक्स 703 अंक (0.91%) की गिरावट के साथ 76,848 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 208 अंकों (0.86%) की गिरावट रही, ये 23,843 पर आ गया। आज के कारोबार में चैतरफा बिकवाली के बीच मेटल के शेयरों में सबसे कम गिरावट रही, जबकि ऑटो और सख्त शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली देखी गई।



खत्म हो गई। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि वे बिना किसी डील के वापस लौट रहे हैं। इसका सीधा असर दुनियाभर के बाजारों पर दिख रहा है।  
**बैंट कूड एक बार फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार**  
ईरान के साथ शांति वार्ता फेल होने के बाद अमेरिकी नौसेना ने ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी करने की

तैयारी कर ली है। ऐसे में बैंट कूड एक बार फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गया है। ये आज 7% से ज्यादा चढ़कर 102 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।  
विदेशी संस्थागत निवेशक अप्रैल में अब तक 48,213 करोड़ रुपए की शेयर बेच चुके हैं, जो बाजार के लिए चिंता का विषय है।  
हालांकि शुक्रवार को उन्होंने 672 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी की थी। दूसरी ओर, रुपए की स्थिति भी नाजुक बनी हुई है। जानकारों का कहना है कि डॉलर के मुकाबले रुपया आने वाले दिनों में 93.50 से 94 के स्तर तक गिर सकता है।

# नर्मदा के संरक्षण हेतु सरकार एवं समाज में समन्वय जरूरी: मुख्यमंत्री डॉ.यादव



## मुख्यमंत्री डॉ यादव के अध्यक्षता में नर्मदा समग्र मिशन की बैठक हुई आयोजित

(ब्यूरो राजेश शिवहर) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नर्मदा नदी जीवनदायिनी नदियों में से एक है। नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए शासन एवं समाज के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि नर्मदा के उद्गम स्थल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रभावी प्रयास किए जाएं तथा नदी तटों पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही सतत रूप से की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अमरकंटक की अखंडता बनाए रखने के लिए अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के प्रतिनिधियों द्वारा जन जागृति बढ़ाई जाए, ताकि उद्गम स्थल का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ यादव आज अमरकंटक में नर्मदा समग्र मिशन की बैठक में अधिकारियों के निर्देशित कर रहे थे। बैठक में मध्यप्रदेश शासन के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, अध्यक्ष नर्मदे हर सेना न्यास रामलाल रौतेल, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री मोहन नागर, पूर्व जनपद अध्यक्ष पुष्पराजगढ़ श्री हीरा सिंह श्याम सहित अन्य जनप्रतिनिधि

उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरकंटक क्षेत्र में प्राकृतिक वनों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि स्थानीय प्रजातियों के पौधों का प्राथमिकता के साथ रोपण किया जाए। इस संबंध में वन मंडल अधिकारी से जानकारी प्राप्त की। वन विभाग के अधिकारियों ने अवगत कराया कि अमरकंटक क्षेत्र में प्राकृतिक वनों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। अमरकंटक के प्राकृतिक स्वरूप को निखारने के लिए स्थानीय प्रजाति साल, महुआ, आंवला, चार, हर्पा, गुलबकावली आदि स्थानीय प्रजातियों के पौधों का रोपण कर उन्हें बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे भूमिगत जल स्तर में वृद्धि हो तथा स्थानीय वन प्राकृतिक रूप से संरक्षित रह सकें। इस दौरान यह भी बताया गया कि वन विभाग की रोपणी में 2.50 लाख से अधिक पौधे उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमरकंटक में नए निर्माण कार्यों पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अमरकंटक क्षेत्र में अनियंत्रित कंक्रीट निर्माण को प्रतिबंधित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरकंटक तथा नर्मदा उद्गम स्थल पर अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध समय-समय पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश कलेक्टर को दिए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री

ने नर्मदा नदी में प्रदूषण, अपशिष्ट जल निकासी एवं जल प्रबंधन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस पर अधिकारियों ने बताया कि अमरकंटक में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जा चुका है तथा यह सुनिश्चित करने हेतु सतत प्रयास किए जा रहे हैं कि प्रदूषित जल नर्मदा नदी में न मिले। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अमरकंटक में सीमेंट एवं कंक्रीट का निर्माण ना हो इसका अधिकारी विशेष ध्यान रखें, जिस पर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने अवगत कराया कि अमरकंटक क्षेत्र का ड्रेन सर्वे पूर्व में कराया जा चुका है। इसके अंतर्गत यदि कोई अवैध निर्माण कार्य पाया जाता है, तो उस पर प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि अमरकंटक विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण, नगर परिषद तथा अमरकंटक मंदिर के विकास हेतु कमिश्नर की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है। इस समिति के माध्यम से समय-समय पर अमरकंटक के विकास एवं संवर्धन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं एवं बिंदुओं पर चर्चा की जाती है। बैठक में ट्रेकिंग रूट, अग्नि सुरक्षा की मॉनिटरिंग एवं प्रबंधन, वन उत्पादों के प्रबंधन, जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन, वन्यजीवों के मुवमेंट एवं उनकी स्थिति सहित अमरकंटक के मंदिरों, तालाबों एवं घाटों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा

की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। समीक्षा बैठक में जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री मोहन नागर ने नर्मदा समग्र मिशन के तहत समाज के सहयोग से संचालित की जाने वाली नर्मदा नदी के घाटों की साफ-सफाई तथा सहायक नदियों एवं घाटों में जन सहभागिता से किए जाने वाले श्रमदान कार्यों की जानकारी दी। अपर मुख्य सचिव नगरीय प्रशासन एवं आवास संजय दुबे ने अमरकंटक में विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं आगामी योजनाओं की जानकारी दी। अपर मुख्य सचिव योजना आधिकारी एवं सांख्यिकी संजय शुक्ला द्वारा नर्मदा नदी के समग्र विकास के लिए बनाई गई कार्य योजना एवं उपलब्धियों से अवगत कराया। मुख्य सचिव वन सदीप यादव ने वन विभाग द्वारा जैव विविधता, यूकोलिप्टिस के प्लांटेशन को हटाकर स्थानीय प्रजाति के पौधरोपण के संबंध में जानकारी दी। बैठक में शहडोल संभाग की कमिश्नर सुरभि गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक चैत्रा एन, डीआईजी सविता सुखाने, कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, वनमण्डलाधिकारी डेविड व्यंकटेश, जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीएम पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

# जब-जब देश पर संकट आया, संघ के स्वयंसेवकों ने अग्रिम पंक्ति में रहकर सेवा और सुरक्षा का दायित्व निभाया है: राजमोहन सिंह



## -देवास में संघ के शताब्दी वर्ष पर प्रमुख युवा जन गोष्ठी का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- देवास। संघ के शताब्दी वर्ष में देशभर में प्रमुख जन गोष्ठियों का आयोजन हो रहा है। इसी क्रम में युवाओं हेतु 'प्रमुख युवा जन गोष्ठी' का आयोजन देवास में संपन्न हुआ। इस गोष्ठी में मुखवक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मालवा प्रांत के प्रांत प्रचारक राजमोहन सिंह के साथ देवास विभाग संचालक अजय गुप्ता एवं देवास नगर संचालक राजेश अग्रवाल मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र पर पुष्पांजली अर्पित कर एवं दीप

प्रज्वलन कर हुआ। युवाजन गोष्ठी के मुखवक्ता राजमोहन सिंह ने युवाओं को सम्बोधित करते हुए संघ की 100 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 1925 में नागपुर के मोहिते के बाड़े में लगी एक छोटी सी शाखा से प्रारंभ हुआ यह संगठन आज विश्व का एक विराट एवं सशक्त संगठन बन चुका है। उन्होंने कहा कि उस समय समाज में अपने आप को 'हिंदू' कहने में लोग संकोच करते थे, किन्तु संघ ने हिंदू होने को गौरव का विषय बनाकर समाज में आत्मविश्वास जागृत किया। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर देश विभाजन (1947) तक संघ की भूमिका का उल्लेख करते हुए बताया

कि विभाजन के समय संघ के स्वयंसेवकों ने अपने प्राणों की चिंता किए बिना हजारों हिंदू परिवारों को सुरक्षित भारत लाकर बसाने का कार्य किया। इसी प्रकार 1962 के भारत-चीन युद्ध तथा 1971 के भारत-पाक युद्ध सहित जब-जब देश पर संकट आया, संघ के स्वयंसेवकों ने अग्रिम पंक्ति में रहकर सेवा और सुरक्षा का दायित्व निभाया। राजमोहन सिंह ने बताया कि आज संघ के प्रेरणा से विविध संगठन समाज के अलग-अलग क्षेत्रों-शिक्षा, सेवा, श्रम, किसान, महिला सशक्तिकरण आदि-में कार्य कर रहे हैं, जो राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम के समापन में उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष में 'पंच परिवर्तन' के

संकल्प का आह्वान किया। इसमें नागरिक शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता तथा 'स्व' के बोध जैसे विषयों को अपनाकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की प्रेरणा दी। आपने बताया कि देश को परम वैभव तक ले जाने के लिए राष्ट्रीय चरित्र वाले युवाओं की आवश्यकता है। जिज्ञासा-समाधान सत्र में युवा प्रतिभागियों ने राजमोहन सिंह से संघ की कार्यप्रणाली, गतिविधियों सहित समरसता, सद्भाव, पर्यावरण जैसे विभिन्न विषयों पर संघ अपनी प्रश्न के रूप में जिज्ञासाए प्रकट की जिसका समाधान एवं उत्तर राजमोहन सिंह ने दिया। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम गान के साथ हुआ।

# भाजपा कार्यालय देवास पर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2026' विषय पर प्रेस वार्ता आयोजित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- देवास। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय देवास में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2026' विषय पर एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पूर्व भाजपा प्रदेश मंत्री अंजु माखीजा रहीं। साथ ही देवास विधायक गायत्री राजे पवार एवं भाजपा जिला अध्यक्ष नंदी रायसिंह संभव ने भी प्रेस वार्ता को संबोधित किया।

मुख्य वक्ता अंजु माखीजा ने अपने संबोधन में कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' केवल एक कानून नहीं, बल्कि देश की मातृशक्ति को सशक्त बनाने की ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को निर्णय लेने की मुख्यधारा में लाने का सशक्त

माध्यम बनेगा। वर्षों से लंबित महिला आरक्षण का सपना अब साकार हुआ है, जिससे महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित होगी। यह कदम भारत के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाएगा। विधायक गायत्री राजे पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व

में महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और अवसर प्रदान करने की दिशा में नभाएंगी, जिससे समाज के हर वर्ग का समग्र विकास सुनिश्चित होगा। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह संभव ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक महिला आरक्षण के नाम पर केवल राजनीति की, लेकिन उसे लागू करने का साहस नहीं दिखाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने ठोस निर्णय लेते हुए महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने का काम किया है। यह अधिनियम महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने दी। इस अवसर पर महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल एवं महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष राखी झालानी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

# मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमरकंटक में माँ नर्मदा उद्गम स्थल पर की पूजा-अर्चना



## प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं नागरिकों के कल्याण की कामना की

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज अनूपपुर जिले के पवित्र तीर्थ स्थल अमरकंटक प्रवास के दौरान माँ नर्मदा के उद्गम स्थल पहुंचकर माँ नर्मदा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने माँ नर्मदा की आरती कर प्रदेश के

नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं चहुँमुखी विकास के लिए मंगल कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ नर्मदा मध्यप्रदेश की जीवनरेखा है और उनका आशीर्वाद सदैव प्रदेशवासियों पर बना रहता है। उन्होंने अमरकंटक की पावनता एवं आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित करते हुए प्रदेश के समग्र विकास एवं जनकल्याण का संकल्प दोहराया। मध्यप्रदेश शासन के वन एवं

पर्यावरण मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, अध्यक्ष श्री नर्मदे हर सेना न्यास एवं रामलाल रौतेल, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री मोहन नागर, विधायक जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र मनीषा सिंह ने भी माँ नर्मदा की पूजा-अर्चना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरकंटक क्षेत्र में अनियंत्रित कंक्रीट निर्माण को प्रतिबंधित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरकंटक तथा नर्मदा उद्गम स्थल पर अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध समय-समय पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश कलेक्टर को दिए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री

# ऑपरेशन मुस्कान में कोतवाली अनूपपुर पुलिस को बड़ी सफलता

अपहृत 15 वर्षीय नाबालिग बालिका को कर्नाटक से दस्तयाब कर नाबालिग को बहला फुसलाकर साथ भगाकर दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

और सूचना पर 2000 रुपए नगद दारुद पिता मोहम्मद सलीम उग्र कारी इनाम का उद्घोषणा आदेश जारी किया 32 साल निवासी हसन नगर थाना

आरोपी मोहम्मद दारुद निवासी हैदराबाद से कुछ महीने पूर्व पहचान और दोस्ती हुई थी। जो आरोपी द्वारा नाबालिग बालिका को इन्स्टाग्राम के जरिये लगातार सम्पर्क कर बहला फुसलाया और दिनांक 09.03.2026 को आरोपी ट्रेन से अनूपपुर रेल्वे स्टेशन पहुंचा जहां नाबालिग बालिका रेल्वे स्टेशन अनूपपुर पहुंच गई जहां से आरोपी ने बहला फुसलाकर अपने साथ ले जाकर हैदराबाद एवं कर्नाटक में अपने साथ रखकर शारीरिक दुष्कर्म किया।

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर की अपील पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान द्वारा जिले के समस्त नागरिकों से अपील की गई है कि माता, पिता, परिवारजन अपने नाबालिग बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर सतत निगरानी जरूर रखें तथा इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्सएप और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अनजान व्यक्तियों से संपर्क से बचने के लिए अपारूक करें, जिससे इस प्रकार के अपराधों से बच्चों को सुरक्षित रखा जा सके।



अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एस.डी.ओ.पी.नवीन तिवारी के मार्गदर्शन में कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा 15 वर्षीय नाबालिग बालिका को कर्नाटक राज्य के बीदर जिले से दस्तयाब कर नाबालिग बालिका को बहला फुसलाकर साथ भगाकर दुष्कर्म के आरोपी मोहम्मद दारुद निवासी हसन नगर, हैदराबाद को गिरफ्तार किया गया है। दिनांक 09.03.2026 को 15 वर्षीय नाबालिग बालिका के अचानक बिना बताये घर से कहीं चले जाने एवं ना मिलने की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 145/26 धारा 137(2) बी. एन. एस. पंजीबद्ध किया गया। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान जी द्वारा उक्त नाबालिग बालिका की दस्तयाबी

गया टी आई. कोतवाली निरीक्षक अरविन्द जैन के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक कमलेश तिवारी , प्रधान आरक्षक महेंद्र सिंह राठौर ,आरक्षक दीपक बुंदेला ,महिला आरक्षक अंकिता सोनी एवं सायबर सेल अनूपपुर से प्रधान आरक्षक राजेन्द्र अहिरवार एवं आरक्षक पंकज मिश्रा की संयुक्त टीम के द्वारा उक्त नाबालिग बालिका की लगातार प्रयास कर पतासाजी की गई एवं उक्त नाबालिग बालिका को कर्नाटक राज्य के बीदर जिले के घोड़ावाड़ी से आरोपी मोहम्मद

राजेंद्र नगर हैदराबाद तेलंगाना के कब्जे से दस्तयाब कर नाबालिग बालिका को सुरक्षित परिवारों को सुपुर्द गया। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान पुलिस टीम को पुरुष्कृत किया गया है

इन्स्टाग्राम पर अनजान से दोस्ती और विश्वास करना पड़ा भारी नाबालिग बालिका से महिला पुलिस अधिकारी द्वारा की गई पूछताछ पर विवेचना में पाया गया कि 15 वर्षीय नाबालिग बालिका का स्मार्ट फोन से इन्स्टाग्राम सोशल मीडिया के द्वारा

# तीन हाथियों का समूह राजेंद्रग्राम से जैतहरी के गोवरी जंगल में, एक हाथी का नहीं चल रहा पता

(ब्यूरो राजेश शिवहर) अनूपपुर। तीन हाथियों का समूह रिविार की रात वन परिक्षेत्र राजेंद्रग्राम के पटना बीट से विचरण करता हुआ सोमवार की सुबह जैतहरी के गोवरी बीट अंतर्गत जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं तीनों हाथियों द्वारा रात में किलानों के खेतों में लगी एवं रबी फसलों को अपना आहार बनाया है वहीं एक हाथी शनिवार एवं रविवार की मध्यरात्रि वन परिक्षेत्र अनूपपुर के भोलगढ़ बीट अंतर्गत चट्टआ गांव में एक ग्रामीण के कच्चे मकान में तोड़फोड़ करने बाद रविवार एवं सोमवार के दिन से पता नहीं चल रहा जिसकी वन विभाग द्वारा खोजबीन की जा रही है।

हुआ देर रात बैहर के पहाड़ से उतर कर वन परिक्षेत्र अनूपपुर के ओहड़ा बीट अंतर्गत ग्राम पंचायत बैहर के दोखहटोला से जंगल हो कर ग्राम पंचायत गौरला के साथ रात भर हाथियों के विचरण पर निरंतर निगरानी रखते हुए ग्रामीणों को सचेत एवं संपर्क करने से कई गांव के ग्रामीणों को समय पर सूचना मिलने पर रात्रि समय सक्रिय होकर एक दूसरे की मदद किए जाने से किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं हो सकी। वहीं एक अकेला हाथी शुक्रवार एवं शनिवार की रात जिला मुख्यालय अनूपपुर से 8 किलोमीटर दूर स्थित पोंडी बीट के जंगल में विचरण करते राष्ट्रीय राजमार्ग को पार कर ग्राम पंचायत बरबसपुर के बयमंडा जंगल में थानू सिंह के कच्चे मकान में तोड़फोड़ कर बरबसपुर सरपंच बिसाहू लाल रौतेल एवं नारायण सिंह के खेतों में लगे तथा रखे फसलों

को खाते फैलाते हुए शनिवार एवं रविवार की मध्य रात्रि वन बीट भोलगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत मड़गवां के चट्टआ गांव से लगे जंगल में समयलाल पाव के पहुंच कर तोड़फोड़ कर रहे हाथी को देखते हुए घर से निकलकर जंगल की ओर भाग कर अपनी जान बचाई यह हाथी का रविवार की सुबह से वर्तमान समय तक पोंडी एवं भोलगढ़ वन बीट के अंतर्गत मसराम, वन्यजीव संरक्षक अनूपपुर शशिधर अग्रवाल, वन परिक्षेत्र अनूपपुर, जैतहरी, राजेंद्रग्राम एवं अमरकंटक के वनरक्षकों, सुरक्षा श्रमिकों एवं ग्रामीणों

के आरदा, ठेही गौरला के बड़काटोला, दुधमनिया बीट अंतर्गत केकरपानी, बांका के जंगलों में विचरण करता हुआ सोमवार की सुबह एक बार फिर से वन परिक्षेत्र जैतहरी के वन बीट ग्राम एवं ग्राम पंचायत गोबरी के झुरहीतलैया जंगल में 15 से 20 किलोमीटर की दूरी तय कर पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं, तीनों हाथियों के निरंतर विचरण पर वन परिक्षेत्र अधिकारी अमरकंटक वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, वन परिक्षेत्र अधिकारी जैतहरी विवेक मिश्रा, परिक्षेत्र सहायक गिरवी कुंवर सिंह सोरेंट, वनपाल जगत सिंह मसराम, वन्यजीव संरक्षक अनूपपुर शशिधर अग्रवाल, वन परिक्षेत्र अनूपपुर, जैतहरी, राजेंद्रग्राम एवं अमरकंटक के वनरक्षकों, सुरक्षा श्रमिकों एवं ग्रामीणों

# जौरा में शांति समिति की बैठक सम्पन्न

बाजारों में जाम को लेकर व्यापारियों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- मुने/जौरा। जौरा थाना प्रांगण में शांति समिति की बैठक का आयोजन एसडीओपी नितिन बघेल, नगर निरीक्षक ओपी रावत की मौजूदगी में किया गया। 13 अप्रैल की शाम आयोजित इस बैठक में एसडीओपी नितिन बघेल ने अपनी बात किए हुए कहा कि भीमराव अंबेडकर जयंती एवं परशुराम जयंती को सभी आपसी सद्भावना के साथ मनाएं। चल

बन जाते हैं, वहीं टमटम चालकों की मनमानी से भी जाम की स्थिति बनी रहती है, इसलिए प्रातः 9:00 बजे से लेकर शाम 5:00 बजे तक व्यस्त बाजारों में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया

पर वाहनों को खड़ा कर काम करते हैं, जिससे भी जानत रहता है। एसडीओपी नगर निरीक्षक एवं नगर पालिका के अधिकारियों द्वारा नगर की आधा दर्जन मुख्य स्थान पर बैरिकेड से लगाने की बात



समारोह के दौरान लाउडस्पीकर को माध्यम आवाज वसूला जावे। नगर पालिका की तरफ से बैठक में व्यापारियों में भी अंबेडकर जयंती भगवान परशुराम जयंती को मिलजुल कर मनाने की बात कही गई। बैठक में नगर के व्यस्त बाजारों में दिन-प्रतिदिन जाम की स्थिति को लेकर व्यापारियों ने अपने-अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। व्यापारियों का कहना था कि बाजारों में भारी वाहनों का प्रवेश बंद किया जावे। ट्रैक्टर-ट्रैलर एवं अन्य बड़े लोडिंग वाहन व्यस्त बाजारों में जाते हैं, उनसे जाम की हालत

जाए। नियमों का उल्लंघन करने वालों से जुर्माना वसूला जावे। नगर पालिका की तरफ से बैठक में उपस्थित महेश सविता ठीकाराम बाथम का व्यापारियों से कहना था कि नाले-नालियों के आगे सामान रखकर जो अस्थायी अतिक्रमण कर रखा है उसे व्यापारी खुद ही स्वेच्छ से हटा लें। अभियान के दौरान उक्त सामान को जप्त कर जुर्माना भी वसूला जायेगा। व्यापारियों का यह भी कहना था कि एम्पएस रोड पर नाले-नालियों के आगे ठेले हलवाइयों की दुकान का सामान भी रखा रहता है। मैकेनिक सड़क

पदमचंद दैन, भोला पंसारि, वरिष्ठ भाजपा महिला नेत्री श्रीमती उर्मिला त्यागी, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष कमलेश दुबे, पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार जगदीश शुक्ला, जेपी पाराशर, चंद्र मोहन शर्मा, राहुल गुप्ता, महेश प्रजापति, आकाश गौड़, राजू गौड़, वासुदेव बंसल व्यग्र, सदीप अग्रवाल, वासुदेव सिंघल, रुद्र दुबे, गिरांज बंसल, शिव शर्मा, डॉ. रामविद्या कुशवाहा, दामोदर जाटव, पाषाण पवन जाटव पत्रकार साहित्य आदि व्यापारी गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कही गई, जिससे कि बड़े एवं भारी वाहन व्यस्त बाजार एवं प्रवेश नहीं कर सके, जिसका सभी व्यापारियों ने समर्थन भी किया। बैठक में बाजार में साफ-सफाई बनी रहे, जाम की स्थिति नहीं बने इसको लेकर सभी व्यापारी एवं प्रशासनिक अधिकारी सभी बातों को लेकर सहमत नजर आए। बैठक में व्यापार मंडल के अध्यक्ष

# खुले बोरेवेल-कुएं हों कवर्ड, पराली जलाने पर तत्काल कार्रवाई करें: कलेक्टर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना। कलेक्टर लोकेश कुमार जागिड़ की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर सभागार मुरैना में समय-सीमा पत्रों, सीएम हेल्पलाइन एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव, अपर कलेक्टर अश्विनी कुमार रावत सहित समस्त जिला अधिकारी, एसडीएम, आयुक्त नगर निगम, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर ने समस्त जनपद सीईओ को निर्देश दिए कि जिले के सभी खुले बोरेवेल, कुएं एवं बावड़ियों को कवर्ड कराया जाए। साथ ही समस्त पटवारियों को सोमवार से गुरुवार (सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक) फील्ड में उपस्थित रहकर कार्य करने तथा शुक्रवार को तहसील

## नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा, अंबेडकर जयंती कार्यक्रम एवं विकास कार्यों की समीक्षा



मुख्यालय पर कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने खेतों में पराली जलाने की घटनाओं पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश समस्त तहसीलदारों को दिए तथा किसानों को जागरूक करने के निर्देश उपसंचालक, कृषि विभाग को दिए।

उर्वरक का वितरण ई-टोकन के माध्यम से कराने तथा बिना ई-टोकन विक्रय करने वाले विक्रेताओं पर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने बताया कि जिले में एचपीवी टीकाकरण 91 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है तथा शेष लक्ष्य

2 दिवस में पूर्ण करने के निर्देश जिला टीकाकरण अधिकारी को दिए। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालयों में कम उपस्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए शिक्षकों को पालकों से संपर्क कर छात्र-छात्राओं की उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिए। एलपीजी आपूर्ति की समीक्षा में घरेलू सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग पर कार्रवाई के निर्देश समस्त तहसीलदार एवं जिला आपूर्ति अधिकारी को दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि 15 अप्रैल से मंडियों में गेहूँ उपाजन प्रारंभ होगा। समस्त एसडीएम मंडियों का निरीक्षण कर सर्वेयर, वारदाना, छटना, सिलाई मशीन आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करें। 14 अप्रैल 2026 को टाउन हॉल में जिला स्तरीय डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी विभाग अपनी योजनाओं के स्टॉल लगाकर कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे।

## हत्यारोपी ट्रेक्टर चालक गिरफ्तार



-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना। थाना दिमने के अपराध क्रमांक 62 / 2026 में वांछित घटना के मुख्य आरोपी (ट्रेक्टर चालक) एवं 10 हजार के इनामी विनोद कोरी पुत्र रामकुमार कोरी निवासी कुथियाना अम्बाह मुरैना को दिनांक 13.04.26 को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिससे विस्तृत पूछताछ जारी है। उक्त प्रकरण में वांछित सभी 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

# सी.ए. चिराग गर्ग के कार्यालय का प्रमोद गर्ग ने किया शुभारम्भ



-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना। शहर के नामचीन आयकर अधिकृत शिवकुमार गर्ग के सुपुत्र सी.ए. चिराग गर्ग की चिराग एंड कम्पनी के नवीन ऑफिस का उद्घाटन जाने-माने वरिष्ठ कर सलाहकार प्रमोद कुमार गुप्ता ग्वालियर द्वारा फीता काटकर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर वरिष्ठ इनकम टैक्स अधिकृत के.सी. अग्रवाल, उपभोक्ता आयोग के वरिष्ठ न्यायिक

सदस्य राकेश शिवहरे शहर के गणमान्य नागरिक व्यवसायी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि गर्ग एशोसियेशन काफी वर्षों से आयकर व्यावसाय कर रहे थे। अधिकृत शिवकुमार गर्ग एवं मोनू गर्ग एक प्रतिष्ठित कर सलाहकारों में एक थे। उनके सुपुत्र चिराग गर्ग उच्च श्रेणी से सी.ए. परीक्षा पास कर नए कार्यालय का शुभारम्भ किया। निश्चित रूप से मिलनसार,

योग्य एवं मृदुभाषी परिवार से व्यवसायों को और बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी। चिराग गर्ग कम्पनी का कार्यालय जीवाजी गंज मुरैना में है, जिसमें शहर के उद्योगपति सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी एडवोकेट चार्टर्ड अकाउंटेंट व्यापारी एवं अन्य सम्मानित सदस्य उपस्थित हुए। उपस्थित सभी लोगों ने सी.ए. चिराग गर्ग को उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

## नहर में मिली एक्सपायर्ड आयरन सीरप समेत 12 प्रकार की दवाएं

### 2024 में हो गई थी एक्सपायर्ड, सेंट्रल ड्रग स्टोर से हुआ था वितरण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना। सोमवार को स्टेशन रोड थाना क्षेत्र के अंतर्गत मुड़ियाखेड़ा बायपास

मुड़ियाखेड़ा के ग्रामीणों ने सोमवार की सुबह करीब 9.30 बजे स्टेशन रोड थाना पुलिस को नरुआ के पास दवाएं पड़े होने की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद एसआई राममंत्र गुप्ता मौके पर पहुंचे। पुलिस को मौके पर 400 से अधिक संख्या में सरकारी अस्पताल में वितरित की जाने वाली आयरन सीरप, कैल्शियम



के नजदीक नरुआ के पास सरकारी अस्पतालों में मुफ्त वितरण के लिए अर्वाइट दवाएं भारी मात्रा में पड़ी हुई मिलीं। एक्सपायर्ड दवाओं को खुली जगह में फेंका जाना स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही को दर्शाता है। पुलिस ने दवाओं को जब्त स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के सुपुर्द कर दिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक

टेबलेट सहित अन्य दवाएं पड़ी हुई मिलीं। इनमें ब्रद शुगर की जांच करने वाली स्ट्रिप्स शामिल थीं। प्रारंभिक जांच में अधिकांश दवाइयां एक्सपायरी डेट की गई हैं। इन दवाओं को पुलिस जब्त कर थाने ले आईं। सूचना पाकर खड़ियाहार बीएमओ डॉ. धर्मेन्द्र गुप्ता स्टेशन रोड थाने पहुंचे और दवाओं को साथ लाकर सेंट्रल स्टोर में जमा कर दिया।

## नीति निर्धारण और नेतृत्वकारी भूमिका में बैठने का ऐतिहासिक काम करेगा नारी शक्ति बंधन अधिनियम: खुशबू गुप्ता

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोकसभा सदन में दिनांक 16, 17, 18 को विशेष नारी शक्ति बंधन अधिनियम के लिए बुलाया जा रहा है। यह नारी शक्ति बंधन अधिनियम देश की महिला सशक्तिकरण को मजबूती और महिलाओं का नेतृत्व प्रदान करेगा। इसी योजना को लेकर पत्रकार

कानून महिलाओं के लिए मिल का पथर सबूत होगा, जिन्होंने हमारी

बिहारी वाजपेई जी के नेतृत्व वाली सरकार ने महिलाओं के लिए 33% प्रति नेतृत्व दिया।

प्रदेश मंत्री खुशबू गुप्ता ने कहा कि सालों से संसद की दहलीज पर खड़ी भारत की बेटियों का इंतजार अब खत्म हुआ है, क्योंकि यह अधिनियम उन्हें वह राजनीतिक सामर्थ्य दे रहा है, जहां वे स्वयं अपने और देश के भविष्य का फैसला करेगीं। उन्होंने कहा कि नए संसद भवन के उद्घाटन के बाद आयोजित पहले सत्र की शुरुआत ही ऐतिहासिक 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' से हुई थी यानी लोकतंत्र के नए मंदिर का पहला ऐतिहासिक कदम ही भारत की मातृशक्ति को समर्पित रहा। यह इस बात का उद्घोष है कि 'नया भारत' अब अपनी बेटियों के नेतृत्व में आगे बढ़ेगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उम 'गारंटी' का प्रमाण है, जिसने दशकों से राजनीति के हारिये पर खड़ी भारत की बेटियों को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का संवैधानिक अधिकार देकर उन्हें राष्ट्र का भाग्यविधाता बना दिया है।

## रेत से भरे ट्रेक्टर-ट्रॉली ने ऑटो में टक्कर मारी, दो घायल सुमावली थाना क्षेत्र में हुआ हादसा, ड्राइवर गिरफ्तार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना। सुमावली थाना क्षेत्र में सोमवार की दोपहर चंबल नदी की रेत से भरे एक ट्रेक्टर-ट्रॉली ने सवारियों से भरे श्री-व्हीलर ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो में सवार दो लोग जख्मी हुए हैं। जिनमें से एक को गंभीर हालत में ग्वालियर रैफर किया गया है। जानकारी के अनुसार सोमवार की दोपहर एक श्री-व्हीलर ऑटो सुमावली से सवारियों लेकर टेकर की ओर आ रहा था। इसी दौरान रास्ते में चंबल नदी की रेत का परिवहन कर रहे तेज रफ्तार ट्रेक्टर-ट्रॉली ने ऑटो में टक्कर मारी, जिसके बाद ड्राइवर ट्रॉली को पलटाने के बाद ट्रेक्टर को लेकर भाग निकला। हादसे में ऑटो में सवार दो लोग सोहेल खान 19 पुत्र गफूर खान निवासी सुमावली

और दर्शन सिंह राजपूत 58 पुत्र द्वारिका सिंह राजपूत नि. निटहरा बुरी



तरह जख्मी हो गए। सूचना मिलने पर डायल-112 मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां से गंभीर हालत में दर्शन सिंह को ग्वालियर रैफर किया गया है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों की मदद से ट्रेक्टर ड्राइवर को पकड़ लिया गया, जबकि उसका साथी ट्रेक्टर लेकर भाग निकला। खबर लिखे जाने तक पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया था।

## तत्कालीन खाद्य सुरक्षा अधिकारी जिला भिंड अवनीश गुप्ता को प्रभारी चंबल संभागायुक्त ने किया निलंबित

मुरैना। वर्ष 2024 में तत्कालीन खाद्य सुरक्षा अधिकारी जिला भिंड अवनीश गुप्ता द्वारा न्यूना कार्रवाई का भय दिखाकर रुपए की मांग किए जाने के आरोप सामने आए। प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर भिंड कलेक्टर द्वारा उन्हें कारग रतना ओ नोटिस जारी किया गया। नोटिस के जवाब में श्री गुप्ता द्वारा स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया गया। इसके उपरांत 30 सितम्बर 2025 को आरोप, आधार एवं संबंधित पत्र जारी कर पुनः जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। श्री गुप्ता द्वारा 7 अप्रैल 2026 को प्रस्तुत किया गया जवाब समाधानकारक नहीं पाया गया। तत्कालीन खाद्य सुरक्षा अधिकारी भिंड, वर्तमान में मुरैना पदस्थ अवनीश गुप्ता के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही लंबित है। इस पर प्रभारी चंबल संभागायुक्त एवं कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जागिड़ ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियम 1966 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में श्री गुप्ता का मुख्यालय खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला मुरैना रहेगा तथा उन्हें मूलभूत नियम 53 के अंतर्गत निर्वाह भत्ता प्राप्त करने की पात्रता रहेगी।

## डॉ. दीपक तिवारी तत्काल प्रभाव से निलंबित

मुरैना। पशु सहायक शल्य पशु चिकित्सालय कन्हार में पदस्थ पशु सहायक शल्य चिकित्सक डॉ. दीपक तिवारी को कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवं अनियमितताओं के चलते तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। प्रास जानकारी के अनुसार डॉ. दीपक तिवारी नियमित रूप से अपने कार्यस्थल पर उपस्थित नहीं हो रहे थे। इस संबंध में उप संचालक पशुपालन डॉ. बी.के. शर्मा द्वारा उन्हें कई बार स्मरण पत्र जारी किए गए, किंतु उनके कार्य व्यवहार में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। इसके अतिरिक्त जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि डॉ. तिवारी द्वारा 22 अगस्त 2025 से 20 नवम्बर 2025 तक मेडिकल अवकाश पर रहने की जानकारी दी गई, जबकि प्रस्तुत सिकनेस सर्टिफिकेट में केवल 15 दिवस के अवकाश की ही अनुरासा की गई थी।

## न्यायालय अपर कलेक्टर, जिला मुरैना (म.प्र.)

मामला क्र. 0002 / पुनर्विलोकन / 2025-26/ मुरैना, दिनांक 13/03/2026

**विज्ञापित**  
(1) उदयभान सिंह पुत्र श्री ब्रह्मजीत सिंह, निवासी ग्राम रतन का पुरा, मौजा कीचौल, तहसील पोरसा जिला मुरैना, म.प्र.।  
..... आवेदक  
बनाम

- (1) नाथसिंह, (2) रामसेवक सिंह, (3) सरनाम सिंह पुत्रगण श्री साहब सिंह, निवासीगण ग्राम सगरा, तहसील व जिला मुरैना, म.प्र.।
- (4) जयहृदय सिंह (5) सतीश सिंह (6) दीपू सिंह पुत्रगण प्रीतम सिंह (7) विश्वनाथ सिंह, (8) देवेन्द्र सिंह (9) जण्डेल सिंह पुत्रगण मुन्शी सिंह (10) राजवीर सिंह पुत्र मुन्शीसिंह फौत के वारिसान उपदेव सिंह पुत्र राजवीर,
- (11) चौहान वेवा राजवीर सिंह, (12) बादशाह सिंह, (13) भीमसेन (14) रामसेनही पुत्रगण जंगजीत सिंह
- (15) ब्रह्मजीत सिंह पुत्र नंदराम सिंह फोट वारिसान-अ-जनवेद सिंह, ब- सुजान सिंह, स-आशाराम सिंह पुत्रगण ब्रह्मजीत सिंह
- (16) उम्मेद सिंह पुत्र ज्ञान सिंह, (17) किशन सिंह पुत्र नंदराम सिंह फोट वारिसान अ- फोजदार सिंह ब- रणवीर सिंह पुत्रगण किशन सिंह (18) नरेश सिंह (19) रमन सिंह, (20) राजू सिंह (21) राजेश सिंह पुत्रगण भीकम सिंह सभी जाति उक्कर निवासीगण ग्राम रतन सिंह का पुरा मौजा कीचौल, तहसील पोरसा, जिला मुरैना, म.प्र.।  
.....अनावेदकगण

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उदयभान सिंह पुत्र श्री ब्रह्मजीत सिंह, निवासी ग्राम रतन का पुरा, मौजा कीचौल, तहसील पोरसा जिला मुरैना, म.प्र. द्वारा म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 51 अंतर्गत ग्राम कीचौल तहसील पोरसा जिला मुरैना, स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 3294 / 4.262 / 1 कुल रकबा 0.679 हे० सर्वे क्रमांक 363 रकबा 1.599 हे०, सर्वे क्रमांक 372 रकबा 0.230 हे० के संबंध में न्यायालय अपर कलेक्टर, जिला मुरैना के प्रकरण क्रमांक 0033/2021-22/निगरानी में पारित आदेश दिनांक 14.02.2025 के विरुद्ध पुनर्विलोकन हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

अतः वादित भूमि से संबंध रखने वाले सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आप उपरोक्त प्रकरण में दिनांक 16.04.2026 सुनवाई हेतु नियत की गई है। नियत दिनांक पर न्यायालय में आप स्वयं अथवा अपने अधिभाषक के माध्यम से पक्ष समर्थन कर सकते हैं। आपकी अनुपस्थिति में एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर, प्रकरण में आगामी कार्यवाही की जावेगी। आज दिनांक 13.03.26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अपर कलेक्टर  
जिला मुरैना, (म.प्र.)

## अक्षय तृतीया एवं परशुराम जयंती 19 अप्रैल को -तीर्थंकर ऋषभदेव आहार दिवस भी मनाया जाएगा

प्रदोष काल युक्त तृतीया 19 अप्रैल रविवार को की है। अक्षय तृतीया का पूजा मुहूर्त इस बार 19 मुरैना। अक्षय का अर्थ पूर्णता से है, न तो वो मिटता है, न हटता है, न ही बिखरता है अर्थात् पूर्ण फल प्राप्ति होती है। ऐसी तिथि वर्ष में केवल एक बार ही आती है। उसे अक्षय तृतीया के नाम से जाना जाता है। वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ. हनुमन्चंद्र जैन ने बताया कि वैशाख माह शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को ही अक्षय तृतीया तिथि नाम से जाना जाता है। यह इस बार 19 अप्रैल रविवार के दिन है। इस बार तृतीया तिथि का प्रारंभ 19 अप्रैल रविवार को सुबह 10:49 बजे होगा, इसका समापन 20 अप्रैल सोमवार को प्रातः 07:27 बजे होगा। इसी दिन परशुराम जयंती एवं जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभ देव जी का आहार दिवस भी अत्यधिक धूम धाम से मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि श्री परशुराम जी का जन्म प्रदोष काल में वैशाख तृतीया तिथि में हुआ था।



अप्रैल रविवार सुबह 10:49 बजे से प्रारंभ होकर 12:20 बजे तक रहेगा। जैन ने बताया कि इस दिन का किया हुआ तप, दान अक्षय फलदायक होता है। वैदिक ज्योतिष में भी अक्षय तृतीया को सभी अशुभ प्रभावों से मुक्त एक शुभ दिन मानते हैं। पंचांग के अनुसार विवाह, गृह प्रवेश, भूमि पूजन, वाहन, प्रोपर्टी, मकान, सोना, चांदी आदि खरीदने के लिए इस दिन किसी प्रकार के मुहूर्त की जरूरत नहीं होती। इस दिन

## श्री श्याम जी जन सेवा फाउंडेशन संस्था ने गरीब बेटियां की शादी में किया सहयोग

मुरैना। समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय श्री श्याम जी जन सेवा फाउंडेशन संस्था मुरैना द्वारा सराहनीय पहल करते हुए एक गरीब परिवार श्रीमती ममता प्रजापति पत्नी स्व. महेश प्रजापति, संजय कॉलोनी में किराये के मकान में अस्थायी रूप से निवासरत है। इनकी पुत्री कु. मधु की शादी में 11 हजार रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना उनका मुख्य उद्देश्य है। इसी कड़ी में संस्था ने इस गरीब परिवार की मदद कर सामाजिक जिम्मेदारी का उदाहरण प्रस्तुत किया है। संस्था के सदस्यों ने कहा कि बेटियों की शादी में आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे परिवारों की मदद के लिए वे आगे भी इसी तरह प्रयास करते रहेंगे। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष राकेश प्रजापति, संरक्षक दीपू प्रजापति, उपाध्यक्ष विष्णु लाल, सचिव प्रदीप प्रजापति, कोषाध्यक्ष राजेश राठौर, सदस्य देवेन्द्र (देव) प्रजापति, जीतू, राकेश, संजू, अजय, संतोष सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर बेटियां को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। क्षेत्र के लोगों ने संस्था के इस कार्य की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया है।



## आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुराना नाम द्रोपदी पत्नी स्व. श्री गोपी सिंह जन्म दिनांक- 01.01.1953, निवासी- ग्राम पंचायत भैंसरोली, गैलेथा तहसील जौरा जिला मुरैना (म.प्र.) मेरे आधार कार्ड क्रमांक 2010 9777 1105 में अंकित है। आज दिनांक से यह अपना नाम द्रोपदी पत्नी स्व. श्री गोपी सिंह जन्म दिनांक 01.01.1953, निवासी- ग्राम पंचायत भैंसरोली, गैलेथा तहसील जौरा जिला मुरैना से बदलकर नया नाम द्रोपा पत्नी स्व. श्री गोपी सिंह कर लिया है, जो इनके वोट कार्ड क्रमांक: HNN 1450857 में इनका नाम द्रोपा अंकित है। अब इन्हें द्रोपा पत्नी स्व. श्री गोपी सिंह के नाम से जाना व पहचाना जावे। आमजन सूचित हों। यह आम सूचना मेरे सभी शासकीय एवं अशासकीय कार्यों में काम आवे। दिनांक.....

हस्ता./हस्त चिह्न सूचनाकर्ता द्रोपा पत्नी स्व. श्री गोपी निवासी- ग्राम पंचायत भैंसरोली गैलेथा तहसील जौरा जिला मुरैना (म.प्र.)

## न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी अम्बाह जिला मुरैना मध्य प्रदेश प्र.क्र./01/2025-26/अ-20(2)

ग्राम भारती शिक्षा समिति मुरैना सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षा नगर बुधारा पोरसा मुरैना बनाम मध्य प्रदेश शासन

// उद्घोषणा // जयें उद्घोषणा आमोखास जनता ग्राम बुधारा को सूचित किया जाता है कि कलेक्टर महोदय मुरैना के न्यायालय के प्र.क्र./02/2025-26 /अ-20 (2) में ऑर्डर/सीट दिनांक 02.09.2025 में ग्राम बुधारा की भूमि सर्वे क्रमांक 863 / 1516 रकबा 0.42हे. शासकीय भूमि को ग्राम भारती शिक्षा समिति सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षा नगर मुरैना को आवंटन किये जाने हेतु प्रस्ताव पास हुये हैं। उक्त भूमि ग्राम भारती शिक्षा समिति सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षा नगर मुरैना को आवंटन किये जाने में किसी आम जन को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वह प्रकरण मे सुनवाई हेतु नियत पेशी दिनांक 16.04.2026 से पूर्व अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

(रामनिवास सिंह सिकरवार)  
अनुविभागीय अधिकारी  
अम्बाह जिला मुरैना

राजस्व प्रभारी  
नगर पालिक निगम, मुरैना

भारत के संविधान निर्माता, भारत रत्न

डॉ. भीमराव  
अम्बेडकरको  
कोटि-कोटि नमनन्याय, समानता और  
समरसता के मूल्यों से  
सशक्त होता मध्यप्रदेश136<sup>वीं</sup> जयंती  
समारोह

14 अप्रैल, 2026

डॉ. अम्बेडकर नगर (महू)  
जिला इंदौर

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

“ भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के समाज कल्याण के लिए किए गए योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता बाबासाहेब की न्याय, समानता और समरसता की विरासत हमें हमेशा प्रेरित करती रहेगी। ”

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सपनों को समर्पित विकास

## आस्था से जुड़ाव

बाबासाहेब से जुड़े महू, दिल्ली, नागपुर, मुंबई और लंदन में स्थित 5 ऐतिहासिक स्थल मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में शामिल

## वैश्विक आस्था और अध्ययन का केंद्र महू

स्मारक, संग्रहालय, सभागार, स्वागत द्वार एवं अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च सेंटर का विकास

## सम्मान का प्रतीक नामकरण

महू रेलवे स्टेशन का नाम 'डॉ. अम्बेडकर नगर'

## युवा स्व-रोज़गार उद्यम को नई उड़ान

डेयरी इकाई के लिए कामधेनु योजना में ₹42 लाख तक ऋण

आर्थिक कल्याण योजना में ₹1 लाख तक अनुदान

संत रविदास स्व-रोज़गार योजना में ₹1 लाख से ₹50 लाख तक सहायता

उद्योग उदय योजना के माध्यम से MSME को वित्तीय सहयोग

## शिक्षा में उत्कृष्टता का सम्मान

डॉ. भीमराव अम्बेडकर मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार योजना 10वीं-12वीं में प्रोत्साहन पुरस्कार

उच्च शिक्षा एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन हेतु अम्बेडकर फेलोशिप

## पर्यावरण और विरासत का संगम

सागर में 25वां डॉ. बी.आर. अम्बेडकर वन्यजीव अभयारण्य घोषित